सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार

भूमि और भाग्य का एक ही स्वभाव है... जो भी बोया है, वो निकलना तय है... । ....अज्ञात

वर्ष-01 अंक-13 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 31 जनवरी 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए,

आसमान का चीता कहा जाने वाला पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन दिखा उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में

उदंती-सीतानदी में दिखा दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

पेरेग्रीन फाल्कन दुनिया का सबसे तेज उड़ने वाला पक्षी है, जो शिकार करते समय गोता लगाते हुए अविश्वसनीय गति प्राप्त कर सकता है। यह बाज प्रजाति ऊँचाई से शिकार पर झपट्टा मारने में माहिर है और इसे 'आसमान का चीता' भी कहा जाता है। पेरेग्रीन बाज तेज और बड़े शिकारी पक्षी होते हैं। इनके मजबूत, नुकीले पीले पंजे इन्हें उड़ते हुए भी दूसरे पक्षियों को पकड़ने में सक्षम बनाते हैं।

छत्तीसगढ़ अब दुनिया भर के पक्षियों के लिए पसंदीदा स्थल बनता जा रहा है। अनुकूल जलवायु और समृद्ध जैव विविधता के कारण कई दुर्लभ पक्षी लंबी दूरी तय कर यहां पहुंच रहे हैं। इसी क्रम में उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व से एक अत्यंत उत्साहजनक जानकारी सामने आई है। यहां दुनिया के सबसे तेज उड़ने वाले

पक्षी पेरेग्रीन फाल्कन (स्थानीय नाम शाहीन बाज) को एक बार फिर देखा गया है। इस दुर्लभ दृश्य को वन रक्षक ओमप्रकाश राव ने अपने कैमरे में कैद किया है। इससे पूर्व भी इस पक्षी को आमामोरा ओड़ क्षेत्र के पास शेष पगार जलप्रपात के समीप ड्रोन कैमरों में दर्ज किया गया था, जो इस क्षेत्र में इसकी सक्रिय उपस्थिति की पुष्टि करता है। उल्लेखनीय है कि पेरेग्रीन फाल्कन अपनी अद्भुत तेज उड़ान के लिए विश्व प्रसिद्ध है। शिकार का पीछा करते समय यह लगभग 320 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से गोता लगा सकता है, जबकि सामान्य उड़ान में इसकी गति करीब 300 किमी प्रति घंटा रहती है। यह छोटे पक्षियों, कबूतरों और तोतों का शिकार करता है। ऊंचाई से तेजी से गोता लगाकर सटीक प्रहार करना इसकी सबसे प्रभावी शिकार तकनीक है।

विशेषज्ञों के अनुसार यह पक्षी न केवल अपनी गति बल्कि अपनी वफादारी के

लिए भी जाना जाता है। ये आमतौर पर अकेले या जोड़े में रहते हैं और अक्सर जीवनभर एक ही साथी चुनते हैं। लगभग 12 से 15 वर्ष के जीवनकाल वाले इस पक्षी का उदंती-सीतानदी के वनों में दिखना यह दर्शाता है कि छत्तीसगढ़ का पर्यावरण वन्यजीवों के लिए कितना अनुकूल है। हाल ही में आयोजित बर्ड सर्वे के दौरान बारनवापारा अभ्यारण्य में भी दुर्लभ और खूबसूरत पक्षी ऑरेंज ब्रेस्टेड ग्रीन पिजन तथा ब्लैक-कैप्ड किंगफिशर देखे गए हैं। गौरतलब है कि वन मंत्री केदार कश्यप वन एवं वन्यजीव संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निरंतर निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कर रहे हैं। वन मंत्री के मार्गदर्शन तथा प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण कुमार पांडेय के नेतृत्व में वन विभाग की पूरी टीम सतत प्रयासों में जुटी है, जिसके सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं।

वन विभाग की यह उपलब्धि न केवल अभिलेखीय दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि राज्य में वन्यजीव संरक्षण के लिए किए जा रहे प्रयासों को भी नई ऊर्जा प्रदान करती है।

भिलाई-दुर्ग में सामूहिक दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला, दो गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

जिले में एक बेहद गंभीर और संवेदनशील सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है, जिसने शहर में सनसनी फैला दी है। पीड़िता की लिखित रिपोर्ट और 164 का मजिस्ट्रेटियल बयान दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो बड़े आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी आरोपियों की तलाश लगातार जारी है। नाबालिग पीड़िता के साथ लंबे समय तक दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म का गंभीर मामला दर्ज। पीड़िता की लिखित रिपोर्ट पर BNS एवं POCSO Act के तहत अपराध पंजीबद्ध। 02 आरोपियों को गिरफ्तार, शेष आरोपियों की तलाश जारी। विवेचना की संवेदनशीलता के साथ विधि अनुसार कार्रवाई।

30 जनवरी को पीड़िता अपनी माता के साथ महिला थाना, दुर्ग पहुंची और लिखित आवेदन दिया। आवेदन में बताया गया कि अप्रैल 2018 से अक्टूबर 2025 तक नाबालिग होने के बावजूद कुल 06 आरोपियों ने पीड़िता के साथ दुष्कर्म एवं सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं कीं। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर BNS की धारा 65(1), 70(2) और POCSO Act की धारा 6, 12 के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विवेचना में तेजी लाते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जबकि शेष आरोपियों के संभावित ठिकानों पर दबिश जारी है। गिरफ्तार आरोपी में विजय स्वाइन, उम्र 37, पता दुर्गा नगर पश्चिम, भिलाई और अनिल चौधरी, उम्र 60, पता जोन वन, खुर्सीपार निवासी है।

सूत्रों के अनुसार, शहर के एक प्रतिष्ठित होटल के महाप्रबंधक और एक जनप्रतिनिधि के निजी सहायक का भी नाम इस मामले में सामने आया है। पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी फिलहाल इस पर कोई विवरण साझा नहीं कर रहे हैं, लेकिन शनिवार शाम तक पूरी जानकारी सार्वजनिक होने की संभावना है। महिला थाना, दुर्ग ने साफ किया है कि प्रकरण की विवेचना संवेदनशीलता के साथ जारी है। किसी भी व्यक्ति को मामले में हस्तक्षेप या अफवाह फैलाने की अनुमति नहीं है। यह मामला न केवल अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई की कहानी है, बल्कि शहर में सुरक्षा और कानून के शासन की भी परीक्षा है। पुलिस ने तेजी दिखाते हुए दो आरोपियों को दबोचकर स्पष्ट संदेश दे दिया है—भिलाई-दुर्ग में कोई भी अपराध छिपा नहीं रहेगा। कानून सबके लिए बराबर है।

खामोश सर्वे, अंदरूनी जंग और टिकट युद्ध : भिलाई में शुरू हो चुका है सत्ता संग्राम

ओबीसी समीकरण, गुटबाजी व गुप्त सर्वे: भिलाई बनेगा 2026-27 का सबसे बड़ा सियासी रणक्षेत्र

आलोक तिवारी / भिलाई

दुर्ग संभाग वर्ष 2026-2027 में होने वाले नगरीय निकाय चुनावों की ओर तेजी से बढ़ रहा है। भिलाई, रिसाली और भिलाई-चरौदा जैसे प्रमुख नगर निगमों से लेकर जामुल नगर पालिका और छह नगर पंचायतों तक होने वाला यह चुनाव सीधे तौर पर शहरी प्रशासन, विकास और नागरिक सुविधाओं की दिशा तय करेगा नगर निगम दुर्ग में 2025 में चुनाव हो चुके हैं, इसलिए इस बार जिले की राजनीति का केंद्र शेष निकायों पर ही टिका हुआ है। इनमें सबसे अधिक राजनीतिक महत्व यदि किसी निकाय का है, तो वह है—नगर निगम भिलाई।

सत्ता का थर्मामीटर दुर्ग संभाग में भिलाई नगर निगम हमेशा से राजनीतिक दिशा तय करने वाला केंद्र रहा है। यहां की जीत-हार पूरे संभाग की राजनीति का संकेत मानी जाती है। यही कारण है कि इस बार भिलाई पर–प्रदेश नेतृत्व की सीधी नजर, केंद्रीय पर्यवेक्षकों की संभावित नियुक्ति, टिकट चयन में विशेष सतर्कता,देखी जा रही है।

संगठन की कसौटी: एकजुटता या विघटन

भिलाई में सबसे बड़ा सवाल यह है— क्या पार्टी एकजुट होकर चुनाव लड़ेगी? या टिकट के बाद बगावत देखने को मिलेगी पिछले चुनावों में अंदरूनी विरोध ने कई सीटें गंवाई थीं, जिसे नेतृत्व भूला नहीं है।

आवासीय कॉलोनी वार्ड

जहां मध्यम वर्ग और कमर्चारी वोट निर्णायक हैं। मिश्रित बस्ती क्षेत्र जहां जातीय और सामाजिक संतुलन अहम है नई बसाहट क्षेत्र जहां पहली बार वोट करने वाले मतदाता परिणाम बदल सकते हैं। पार्टियां इन्हीं क्षेत्रों पर माइक्रो-मैनेजमेंट कर रही हैं।

अंदरूनी गुटबाजी: सबसे बड़ी चुनौती

भिलाई में दोनों प्रमुख दलों के भीतर स्पष्ट गुट सक्रिय हैं–

भाजपा में—संगठन बनाम जनप्रतिनिधि गुट,पुराने कार्यकर्ता बनाम नए नेता,वार्ड प्रभारी बनाम पार्षद लॉबी, युवा बनाम अनुभवी।

कांग्रेस में— पूर्व नेतृत्व समर्थक खेमा, युवा नेतृत्व समूह, क्षेत्रीय संतुलन लॉबी,यह गुटबाजी नहीं सुलझी, तो नुकसान तय माना जा रहा है।

भाजपा-कांग्रेस: साइलेंट वार शुरू

भाजपा : सर्वे + अनुशासन मॉडल- लगातार गुप्त फीडबैक, वार्ड-स्तरीय रिपोर्ट, कार्यकर्ता-आधारित मूल्यांकन, संभावित बागियों की पहचान। भाजपा नेतृत्व 'पहले कंट्रोल, फिर कैंपेन' की नीति पर चल रहा है।

कांग्रेस : संतुलन + समन्वय रणनीति- पुराने नेताओं को साधने की कोशिश, युवाओं को आगे लाने की योजना, गुटों में सामंजस्य बैठाने की कवायद, कांग्रेस का फोकस 'टूटे नहीं, छूटे नहीं' पर है। शहरी मुद्दे : जनता का असली ए

राजनीतिक एजेंडा-

इन राजनीतिक उठापटक के बीच जनता के मुद्दे,पानी, सफाई, ट्रैफिक, सड़क, रोजगार– अब भी सबसे अहम हैं। जो प्रत्याशी इन्हें विश्वसनीय ढंग से उठाएगा, वही बाजी मारेगा।

भिलाई बनेगा फैसला कुंजिका

2026-27 के नगरीय चुनावों में भिलाई नगर निगम केवल एक सीट नहीं, बल्कि पूरे दुर्ग संभाग की राजनीतिक कुंजी है। डड्उ समीकरण, गुटबाजी, वार्ड गणित और संगठनात्मक अनुशासन—यहीं तय होगा कि शहरी सत्ता किसके हाथ जाएगी। अब सबकी निगाहें भिलाई पर टिकी हैं।

ओबीसी फैक्टर:

नेतृत्व की असली चाबी, भिलाई नगर निगम का महापौर पद OBC - मुक्त होने के कारण इस बार पिछड़ा वर्ग नेतृत्व निर्णायक भूमिका में है इससे दोनों दलों में— OBC नेताओं की खामोश प्रतिस्पर्धा,सामाजिक समीकरणों की नई गणना,समुदाय-स्तरीय बैठकें तेज हो चुकी हैं।

महापौर की रेस में

दिग्गज बनाम दावेदार,भिलाई में इस बार महापौर पद के लिए कई अनुभवी और प्रभावशाली चेहरे मैदान में हो सकते हैं—पार्षद, पूर्व पार्षद और पूर्व सभापति, संगठन पदाधिकारी,पूर्व महापौर समर्थक गुट, पूर्व जिलाअध्यक्ष , युवा नेतृत्व समूह,इन सभी के बीच अंदरूनी खींचतान तेज है। हर गुट अपने 'कैंडिडेट' को आगे बढ़ाने में लगा है।

वार्ड समीकरण

जीत-हार की असली जमीन, भिलाई के कई वार्डों में समीकरण बेहद संवेदनशील हैं— औद्योगिक क्षेत्र वाले वार्ड, जहां मजदूर और ठेका श्रमिक निर्णायक भूमिका में हैं।

अजीत पवार के बाद सत्ता की बिसात, महाराष्ट्र में नई सियासत की शुरुआत, 'पवार विरासत' पर बड़ा दांव

संदीप सिंह / मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में अजीत पवार के दुखद निधन के बाद सत्ता के गलियारों में हलचल तेज हो गई है। जिस पवार परिवार ने दशकों तक राज्य की राजनीति की दिशा तय की, अब उसी परिवार की विरासत, नेतृत्व और भविष्य को लेकर नई राजनीतिक बिसात बिछाई जा रही है। सत्ता, संगठन और रणनीति—तीनों मोर्चों पर बड़ा खेल शुरू हो चुका है।

सुनेत्रा पवार: भावनाओं से सत्ता तक का सफर

एनसीपी विधायक दल द्वारा सुनेत्रा पवार को नेता चुना जाना केवल एक औपचारिक फैसला नहीं, बल्कि भावनात्मक और राजनीतिक संतुलन साधने की कोशिश मानी जा रही है। यदि वे उपमुख्यमंत्री बनती हैं, तो यह सहानुभूति लहर और सत्ता-संरक्षण—दोनों का मेल होगा। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह फैसला पार्टी को टूटने से बचाने और अजीत पवार के समर्थकों को एकजुट रखने की रणनीति का हिस्सा है। साथ ही, पहली महिला उपमुख्यमंत्री बनना उन्हें एक मजबूत जनआधार भी दिला सकता है।

पार्थ पवार की एंट्री: विरासत की अगली कड़ी

सुनेत्रा पवार के राज्यसभा से हटने के बाद पार्थ पवार को संसद भेजने की चर्चा ने साफ संकेत दे दिया है कि पवार परिवार अब अपनी राजनीतिक विरासत अगली पीढ़ी को सौंपने की तैयारी में है। यह कदम केवल पारिवारिक नहीं, बल्कि रणनीतिक भी है। युवा मतदाताओं को साधने और पार्टी को भविष्य के लिए तैयार करने की कोशिश के तौर पर इसे देखा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या पार्थ पवार जनता की कसौटी पर खरे उतर पाएंगे?

प्रफुल्ल पटेल: पर्दे के पीछे का पावर सेंटर

वर्तमान हालात में एनसीपी (अजीत गुट) के असली रणनीतिकार प्रफुल्ल पटेल बनकर उभरे हैं। संगठन से लेकर सरकार तक, हर अहम फैसले में उनकी भूमिका निर्णायक मानी जा रही है। राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि वे फिलहाल ह्यकिंगमेकरह्न की भूमिका में हैं—जो तय करेंगे कि सत्ता की अगली चाल क्या होगी और नेतृत्व किस दिशा में जाएगा।

विलय या विलंब: शरद बनाम अजीत गुट की राजनीति

एनसीपी के दोनों गुटों के विलय को लेकर चर्चाएं तेज हैं, लेकिन जमीनी सच्चाई इससे कहीं जटिल है। शरद पवार गुट जहां इस मौके को संगठन को फिर से मजबूत करने के रूप में देख रहा है, वहीं अजीत पवार गुट जल्दबाजी में कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। अजीत पवार के निधन के बाद शक्ति-संतुलन बदला है, और अब विलय की शर्तें भी नए सिरे से तय होंगी। माना जा रहा है कि पंचायत और जिला चुनावों के नतीजे इस फैसले की दिशा तय करेंगे।

सत्ता समीकरण पर नजर: सहयोगी दल भी सतर्क

एनसीपी में चल रही उठापटक पर भाजपा और शिवसेना भी पैनी नजर बनाए हुए हैं। सहयोगी दल यह समझने की कोशिश में हैं कि नई नेतृत्व व्यवस्था कितनी मजबूत होगी। यदि एनसीपी कमजोर पड़ी, तो गठबंधन में पुनर्संतुलन तय माना जा रहा है। ऐसे में महाराष्ट्र की सत्ता राजनीति में नए समीकरण उभर सकते हैं।

सहानुभूति, सत्ता और संघर्ष का संगम

अजीत पवार के बाद एनसीपी इस समय तीन रास्तों के चौराहे पर खड़ी है— सहानुभूति की राजनीति, पारिवारिक विरासत, और संगठनात्मक संघर्ष। सुनेत्रा पवार का नेतृत्व, पार्थ पवार की संभावित भूमिका और प्रफुल्ल पटेल की रणनीति—इन तीनों पर ही पार्टी का भविष्य टिका है। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो आने वाले छह महीने महाराष्ट्र की राजनीति के लिए निर्णायक होंगे। यही तय करेंगे कि पवार परिवार सत्ता का केंद्र बना रहेगा या यह दौर किसी नए राजनीतिक अध्याय की शुरुआत साबित होगा।

शपथ से पहले ही पवार परिवार में खींचतान, सुनेत्रा के नाम पर मचा सियासी भूचाल

महाराष्ट्र में होने वाले उपमुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह से पहले ही पवार परिवार के भीतर सियासी हलचल तेज हो गई है। विश्वसनीय सूत्रों के मुताबिक, सुनेत्रा पवार को डिप्टी सीएम बनाए जाने का फैसला पूरी तरह ठउढ (अजीत पवार गुट) के नेताओं द्वारा लिया गया, जिसमें परिवार से कोई औपचारिक सलाह-मशविरा नहीं किया गया। परिवार के करीबी सूत्रों का कहना है कि इतने अहम राजनीतिक फैसले से पहले परिवार को विश्वास में न लेना, आंतरिक असहमति को उजागर करता है। यह विवाद ऐसे समय सामने आया है, जब शनिवार को होने वाली विधायक दल की बैठक में सुनेत्रा पवार के नाम पर आधिकारिक मुहर लगनी लगभग तय मानी जा रही है।

शरद पवार से दूरी, सियासी संकेत?

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सुनेत्रा पवार, वरिष्ठ नेता शरद पवार से मुलाकात किए बिना ही मुंबई रवाना हो गईं। राजनीतिक गलियारों में इसे सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदते हुए समीकरणों का संकेत माना जा रहा है।

विश्लेषकों का मानना है कि यह घटनाक्रम पवार परिवार के भीतर अब भी जारी मतभेदों की ओर इशारा करता है। सत्ता की राजनीति में जहां एक ओर एकजुटता दिखाने की कोशिश हो रही है, वहीं अंदरखाने खटास साफ नजर आने लगी है।

विधायक दल की बैठक पर टिकी निगाहें

अब सभी की नजरें शनिवार की विधायक दल की बैठक पर टिकी हैं, जहां सुनेत्रा पवार के नाम पर अंतिम फैसला लिया जाएगा। यह बैठक केवल नेतृत्व चयन नहीं, बल्कि यह तय करेगी कि पवार परिवार की राजनीति किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

राजनीतिक संदेश साफ

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि यह फैसला केवल एक पद की नियुक्ति नहीं, बल्कि शक्ति संतुलन, उत्तराधिकार और गुटीय राजनीति का नया अध्याय है। राजनीतिक गलियारों में इसे सामान्य प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदते हुए समीकरणों का संकेत माना जा रहा है। शपथ ग्रहण से पहले उभरा यह विवाद साफ संकेत दे रहा है कि महाराष्ट्र की राजनीति में आने वाले दिनों में और बड़े उलटफेर देखने को मिल सकते हैं।

2 करोड़ से वार्ड क्र . 56 में बनेगा नाला , 38 लाख से सरदार पटेल चौक का होगा सौंदर्यीकरण

उद्योग मंत्री देवांगन व महापौर संजूदेवी ने किया उक्त दोनों महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / कोरबा

नगर निगम कोरबा के वार्ड क्र. 56 लाटा में 02 करोड रूपये से नाला का निर्माण किया जाएगा, तो वहीं दूसरी ओर 38 लाख रूपये की लागत से सरदार वल्लभभाई पटेल चौक में सौंदर्यीकरण का कार्य होगा। आज प्रदेश के उद्योग,, श्रम, आबकारी व सार्वजनिक उपक्रम मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम में उक्त दोनों महत्वपूर्ण विकास कार्यों का भूमिपूजन उनके द्वारा किया गया।

नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा दर्री जोन के अंतर्गत आने वाले वार्ड क्र. 56 में पीएमएवाई साईट से लाटा तालाब तक 02 करोड रूपये की लागत से आरसीसी नाला का निर्माण तथा वार्ड क्र. 58 में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल चैक में सौदर्यीकरण का कार्य 38 लाख रूपये की लागत से कराया जाना हैं। पृथक-पृथक आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रमों में उक्त दोनों महत्वपूर्ण विकास कायो का भूमिपूजन एवं शिलान्यास उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के द्वारा किया गया। इस मौके पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर, पार्षद नरेन्द्र देवांगन सहित वार्ड पार्षदगण व जनप्रतिनिधिगण विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

जनता की उम्मीदों पर खरे उतरहे उद्योग मंत्री व महापौर

इस अवसर पर सभापति नूतन सिंह ठाकुर ने अपने उद्बोधन में कहा कि यह हम सबके लिए गौरव का विषय है कि कोरबा की जनता ने जिस विश्वास व उम्मीद से उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत को अपना आशीर्वाद प्रदान किया था, उन पर अपना विश्वास दिखाया था, आज उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत जनता जनार्दन की उम्मीदों पर पूरी तरह से खरे उतर रहे हैं। उन्होने कहा कि मैं कामना करता हूँ कि उद्योग मंत्री श्री देवांगन व महापौर श्रीमती राजपूत को कोरबा की जनता का लगातार आशीर्वाद व स्नेह प्राप्त होता रहे।

कोरबा की विकास यात्रा ने पकड़ ली है रफ्तार

इस अवसर पर महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि विगत कुछ वर्षो से रूकी हुई कोरबा की विकास यात्रा अब रफ्तार पकड़ चुकी है, वार्ड व बस्तियों में निरंतर विकास कार्य कराए जा रहे हैं, क्षेत्र की जनता जनार्दन की विकास संबंधी जो भी मांग या आवश्यकता सामने लाई जाती है, उस पर त्वरित कार्यवाही हो रही है, जनसमस्याओं का निराकरण प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है, और मुझे खुशी है कि कोरबा की इस विकास यात्रा में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, नगरीय प्रशासन मंत्री अरूण साव व उद्योग मंत्री तथा कोरबा के लोकप्रिय विधायक लखनलाल देवांगन का पूरा-पूरा आशीर्वाद व मार्गदर्शन हम सबको प्राप्त हो रहा है।

भूमिपूजन कार्यक्रमों के दौरान पार्षद श्री नरेन्द्र देवांगन के साथ ही वार्ड पार्षद विनम्र तिवारी, श्रीमती सुखविन्दर कौर, एमआईसी सदस्य फिरतराम साहू, पार्षद मुकुंद सिंह कंवर, किशन केंवट, जनक राजपूत, मण्डल अध्यक्ष मनोज लहरे, पूर्व पार्षद राधेलाल यादव, बुधवारसाय यादव, कविता राजपूत, संजय कुमर्वशी, रतन सिंह, पूर्व मण्डल अध्यक्ष ईश्वर साहू, पूर्व एल्डरमेन तुलसी ठाकुर, नारायण सिंह ठाकुर, लक्ष्य चतुर्वेदी, नरेन्द्र पाटनवार, अनिल यादव, राज जायसवाल, किशोर साहू, विजय मिर्री, भूपेन्द्र साहू, विजय अग्रवाल, प्रमोद शुक्ला, नीलम दुग्गल, नीलम शुक्ला, उषा ठाकुर, गजाधर यादव, राकेश राय, टेकलाल वर्मा, करीम शेख, ओम यादव, उमेश साहू, पूर्णिमा महंत, बंधन महंत, विनय कुमारी तिवारी, रमेश जादूगर, सुबोध सिंह सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री के ऐतिहासिक निर्णयों से बढ़ा देश का सम्मान

इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के हित में लिए गए अपने ऐतिहासिक निर्णयों के लिए जाने जाते हैं, उनके निर्णयों से विश्वस्तर पर भारत का सम्मान बढ़ा है तथा विश्व में भारत की प्रतिष्ठा व विश्वसनीयता में वृद्धि हुई है, उनके मार्गदर्शन में एक ओर जहाँ देश के बहुमुखी विकास को तेज गति मिली है, वहीं दूसरी ओर उनकी जनकल्याणकारी योजनाओं से देश के करोड़ो परिवार लाभांवित हो रहे हैं। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने आगे कहा कि अपने सहज, सरल स्वभाव की छवि रखने वाले प्रदेश के लोकप्रिय मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अगुवाई में छत्तीसगढ़ राज्य विकास के पथ पर तेजी से बढ़ रहा है, उन्होने कहा कि 15 वर्षो तक छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री रहे डॉ.रमन सिंह के द्वारा प्रारंभ कराई गई विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को पूर्ववर्ती सरकार ने बंद कर दिया था, अब इन योजनाओं को मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के द्वारा पुनः प्रारंभ कराया गया है, साथ ही जनहित की नई योजनाएं क्रियान्वित कराई गई हैं, जिनसे प्रदेश के लाखों परिवार लाभांवित हो रहे हैं। उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि जहाँ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है तो यहाँ पर निगम के सभी 67 वार्डों में बिना किसी भेदभाव के लगातार विकास कार्य जारी हैं, विगत 02 वर्षो के दौरान यहाँ 800 करोड़ रूपये के विकास कार्यो को स्वीकृत दी जा चुकी है, जिसमें अनेक कार्य प्रगतिरत या पूर्णता की ओर है तथा बड़े पैमाने पर विकास कार्यों प्रारंभ भी कराए जा रहे हैं। इस अवसर पर उद्योग मंत्री श्री देवांगन ने वार्ड क्र. 56 में सार्वजनिक मंच निर्माण की घोषणा एवं सी.सी. रोड निर्माण की घोषणा भी की।

कांग्रेस ने धान खरीदी की तिथि बढ़ाने प्रदेश भर में चक्का जाम

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मनरेगा बचाओ के तहत कांग्रेस ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर ब्लॉकों में धरना प्रदर्शन किया तथा धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने प्रदेश के अनेकों स्थानों पर सांकेतिक चक्का जाम किया। कांग्रेस की मांग है कि सरकार प्रदेश के सभी किसानों का धान समर्थन मूल्य पर खरीदे। अभी भी प्रदेश के लाखों किसान अपना धान नहीं बेच पाये है। भाजपा सरकार किसानों से धोखा कर रही है। सरकार 1 माह तक धान खरीदी की तिथि आगे बढ़ाये।

आंदोलन

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत प्रदेश के सभी ब्लॉकों में धरना दिया गया

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि धान खरीदी तिथि खत्म हो गयी है। अभी तक जिस प्रकार से धान खरीदी की गई है इससे स्पष्ट है कि अभी भी लाखों किसान धान नहीं बेच पाये है। इससे किसानों को आर्थिक नुकसान होगा किसान कर्ज में आ जाएंगे और भाजपा की सरकार किसानों को आर्थिक रूप से तंगहाल करना चाहती है भाजपा सरकार चाहती है की किसान हताश और परेशान होकर अपनी उपज को औने पौने दाम पर बिचौलिया के पास बेच दे ताकि भाजपा सरकार किसानों को 3100 रु क्विंटल की दर से भुगतान करने से बचे। सरकार धान खरीदी की तिथि बढ़ाये।

वार्ड 4 को विकास कार्यों की सौगात : सामुदायिक भवन, रंगमंच और स्कूल में अतिरिक्त कक्ष निर्माण का हुआ भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम के एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू ने रायपुर ग्रामीण विधायक मैकमिलन साहू, वार्ड 5 पार्षद श्रीमती अम्बिका साहू सहित नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर डॉ. दिव्या चंद्रवंशी, कार्यपालन अभियंता द्रोनी कुमार पैकरा, उपअभियंता गोपाल प्रधान, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों सहित नगर निगम जोन 1 अंतर्गत यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के क्षेत्र अंतर्गत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 4 विभिन्न स्थानों पर कुल 35 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से रायपुर ग्रामीण विधायक निधि, रायपुर जिला प्रभारी मन्त्री निधि मद से गोवर्धन नगर और भनपुरी में सामुदायिक भवन निर्माण और गंगानगर में रंगमंच निर्माण और शासकीय प्राथमिक शाला गंगानगर में अतिरिक्त कक्ष निर्माण हेतु श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन किया।

नगर निगम एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू ने नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर और कार्यपालन अभियंता को तत्काल स्वीकृति अनुसार नए विकास और निर्माण कार्य प्रारम्भ करवाकर सतत मॉनिटरिंग कर गुणवत्तापूर्ण तरीके से तय समयसीमा के भीतर नवीन विकास कार्य पूर्ण करवाने निर्देशित किया।

एमआईसी सदस्य नंदकिशोर साहू ने नगर निगम जोन 1 अंतर्गत यतियतनलाल वार्ड क्रमांक 4 के क्षेत्र में नए विकास कार्य प्रारम्भ करवाने पर रायपुर ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे को समस्त वार्डवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद दिया।

महापौर मीनल चौबे ने बैठक ले कर अधिकारियों को पार्षदों की अनुशंसा से कार्य करने के दिए निर्देश

रायपुर निगम क्षेत्र में दस करोड़ से होगा डामरीकरण कार्य, प्रत्येक विधानसभा में ढाई-ढाई करोड़ से होंगे कार्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के वार्डों के अंदर सड़क मागो में आवश्यकता अनुसार कार्य होगा। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र के वार्ड पार्षदों से चर्चा कर वार्डों की व्यवहारिक मांग और आवश्यकता के अनुसार वार्डों में नए सड़क डामरीकरण विकास कार्य शीघ्र करवाए जाने जनहित को प्राथमिकता बनाकर प्रस्ताव देने कहा है।

15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के वार्डो हेतु सड़क डामरीकरण कार्य हेतु 2 करोड़ 50 लाख रूपये और रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम क्षेत्र के वार्डो हेतु 2 करोड़ 50 लाख रूपये स्वीकृत किये गए हैं। महापौर ने वार्ड पार्षदों को जनहित में वार्डों के ऐसे सड़क मागो पर सड़क डामरीकरण के नए विकास कार्य करवाने का सुझाव दिया है, जिसका वांछित लाभ वार्डवासी नागरिकों को लम्बे समय तक प्राप्त हो सके। महापौर ने अधिकारियों को सड़क डामरीकरण के नए विकास कार्य तय समयसीमा के भीतर उच्च स्तरीय गुणवत्ता बनाये रखकर किया जाना सुनिश्चित करवाने निर्देशित किया है, ताकि इससे वार्डों के सड़क मागो की दशा सुधर सके और इसका पूर्ण लाभ रहवासी आमजनों को आवागमन सुगम बनने से प्राप्त हो सके।

महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा ली गयी बैठक में नगर निगम लोक कर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, एमआईसी सदस्य श्रीमती सुमन अशोक पाण्डेय, डॉ. अनामिका सिंह, नंदकिशोर साहू, खेम कुमार सेन, भोलाराम साहू, जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा, जोन 8 जोन अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र और रायपुर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वार्ड पार्षदगण, अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, इमरान खान, कार्यपालिन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर एवं अन्य सम्बंधित अभियंतागण की उपस्थिति रही।

पाइपलाइन विस्तार के लिए महापौर मीनल चौबे ने दी हरी झंडी

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर नगर पालिक निगम में महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र और रायपुर दक्षिण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम के जोन 4,5,6,10 अंतर्गत आने वाले वार्डो के सभी पार्षदों को बुलाकर नगर निगम अधिकारियों सहित उनकी आवश्यक बैठक लेकर नगर निगम क्षेत्र में गर्मी में गहराने वाले गहन पेयजल संकट से निपटने आवश्यक बैठक लेकर तत्काल पेयजल संकट से निपटने आवश्यक प्रशासनिक तैयारी प्रारम्भ करने के निर्देश दिए।

प्रारंभिक व्यवस्था

राजधानी शहर में गर्मी के पूर्व वार्डों की गहन पेयजल संकट की समस्या से निपटने तत्काल आवश्यक तैयारी प्रारम्भ करने के दिए निर्देश

महापौर ने रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, रायपुर पश्चिम, रायपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर निगम के सभी वाडो में पार्षदों के सुझाव और अनुशंसा पर वाडो के पेयजल संकट ग्रस्त क्षेत्रों में पाईप लाईन बिछाने के कार्य प्रस्ताव बनाकर प्राथमिकता से करवाने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। महापौर ने कहा कि गर्मी के पूर्व पेयजल संकट से निपटने की पुख्ता तैयारी सम्बंधित अधिकारीगण वार्ड के पार्षदगणों के साथ मिलकर तत्काल प्रारम्भ करें, ताकि गर्मी में नागरिकों को सुगम पेयजल की सतत आपूर्ति करने का कार्य व्यवस्थित रूप से करने की दिशा में सार्थक कार्य हो सके। महापौर ने पार्षदों को गर्मी के पूर्व वार्डों में पेयजल संकट से निपटने का कार्य अधिकारियों के साथ प्राथमिकता से जनहित में करने सुझाव दिया।

बैठक में नगर निगम एमआईसी सदस्य मनोज वर्मा, अमर गिदवानी, सरिता आकाश दुबे, जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा, जोन 5 अध्यक्ष अम्बर अग्रवाल, जोन 6 अध्यक्ष बद्री प्रसाद गुप्ता, जोन 10 अध्यक्ष सचिन बी. मेघानी, पार्षद ममता सोनू तिवारी, दुर्गा वादराम साहू, श्रीमती स्वप्निल मिश्रा, अजय साहू, रवि सोनकर, प्रमोद कुमार साहू सहित अधीक्षण अभियंता राजेश राठौर, इमरान खान, कार्यपालिन अभियंता अंशुल शर्मा जूनियर सहित अन्य सम्बंधित अभियंतागण की उपस्थिति रही।

रायपुर में अतिक्रमण पर चला नगर निगम का पंजा

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर नगर पालिक निगम में प्राप्त स्वच्छता सम्बंधित जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. तृप्ति पाणीग्रही और जोन 10 जोन कमिश्नर विवेकानंद दुबे के निर्देशानुसार नगर निगम जोन 10 स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा जोन 10 क्षेत्र अंतर्गत लालपुर फल बाजार क्षेत्र के सामने मार्ग का जोन स्वास्थ्य अधिकारी अमित बेहरा और स्वच्छता निरीक्षक यशवंत बेरिहा

द्वारा प्रत्यक्ष अवलोकन किया गया।

वहाँ नाले पर अवैध बड़े पाटे बनाये जाने और ठेला लगाए जाने सहित नाला सफाई अवरुद्ध होने से सम्बंधित प्राप्त जनशिकायत सही मिली। इस पर स्वास्थ्य अधिकारी एवं जोन 10 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन 10 स्वास्थ्य विभाग द्वारा जेसीबी मशीन की सहायता से अभियान चलाकर नाले पर कब्जा कर बनाये गए लगभग 12 बड़े आकार के अवैध पाटों को तोड़ा और नाले को कब्जामुक्त कर सफाई करवाकर प्राप्त जनशिकायत का त्वरित निदान अवैध फल ठेलों का कब्जा नाले से हटाकर किया।

कार्यक्रम शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के नेतृत्व और राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. खंडेलवाल के मार्गदर्शन में हुआ भव्य आयोजन

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की पहली राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी ने रचा इतिहास

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया है। संगठन की पहली राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी, जो 9 जनवरी से 13 जनवरी 2026 तक दुधली, जिला बालोद, छत्तीसगढ़ में आयोजित की गई। अत्यंत भव्य, अनुशासित एवं ऐतिहासिक सफलता के साथ संपन्न हुई। इस अभूतपूर्व आयोजन के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने छत्तीसगढ़ के शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के दूरदर्शी नेतृत्व तथा राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल (सेवानिवृत्त आई ए एस) के प्रेरणादायी मार्गदर्शन के प्रति गहरा आभार व्यक्त किया है।

दूरदर्शी नेतृत्व से साकार हुआ राष्ट्रीय स्वप्न

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली से जारी वक्तव्य में राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल ने कहा कि शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव के सशक्त नेतृत्व, प्रशासनिक दक्षता और निरंतर सहयोग के कारण यह राष्ट्रीय स्तर का आयोजन सीमित समय और अनेक चुनौतियों के बावजूद अत्यंत सफलतापूर्वक आयोजित किया जा सका। यह जंबूरी न केवल एक कार्यक्रम थी, बल्कि युवा नेतृत्व, अनुशासन, सेवा और राष्ट्रीय एकता का जीवंत उत्सव बन गई।

युवाओं की सुरक्षा, सुविधा और समग्र विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता

जंबूरी के आयोजन के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, पेयजल, स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, चिकित्सा सुविधाओं तथा आवासीय व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। सुव्यवस्थित लॉजिस्टिक्स, मजबूत आधारभूत संरचना और प्रभावी प्रशासनिक समन्वय के कारण देशभर से आए हजारों रोवर और रेंजरों को एक सुरक्षित, अनुशासित और प्रेरणादायक वातावरण प्राप्त हुआ। हर छोटी से छोटी आवश्यकता पर भी सूक्ष्मता और संवेदनशीलता के साथ ध्यान दिया गया, जो आयोजन की उत्कृष्ट योजना और क्रियान्वयन को दर्शाता है।

स्काउटिंग आंदोलन के लिए ऐतिहासिक मील का पत्थर

यह पहली राष्ट्रीय रोवर-रेंजर जंबूरी भारत स्काउट्स एंड गाइड्स की यात्रा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि सिद्ध हुई है। इस आयोजन ने न केवल भविष्य की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जंबूरियों के लिए नए मानक स्थापित किए हैं, बल्कि आने वाले वर्षों में युवा पीढ़ी को नेतृत्व, सेवा, अनुशासन और राष्ट्रनिर्माण के लिए प्रेरित करने का एक सशक्त मंच भी प्रदान किया है।

समर्पण, अनुशासन और टीमवर्क के सामूहिक प्रयासों को मिली सराहना

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने इस अवसर पर बालोद जिला प्रशासन, शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन, छत्तीसगढ़ राज्य भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, तथा सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और वॉलंटियर्स के समर्पण, अनुशासन और टीमवर्क की विशेष रूप से सराहना की। इनके अथक प्रयासों के बिना इस विशाल आयोजन की सफलता संभव नहीं थी।

राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. खंडेलवाल का वक्तव्य

राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. केके खंडेलवाल (सेवानिवृत्त आई ए एस) ने अपने संदेश में कहा कि यह जंबूरी भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के 70 लाख से अधिक सदस्यों के सामूहिक प्रयास, विश्वास और प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने स्काउटिंग समुदाय को और अधिक संगठित, सशक्त और प्रेरित किया है तथा यह भविष्य में और भी बड़े राष्ट्रीय लक्ष्यों की प्राप्ति का मार्ग प्रशस्त करेगा।

प्रेरणादायी स्मृतियाँ और उज्ज्वल भविष्य की ओर कदम

संगठन ने विश्वास व्यक्त किया कि पहली राष्ट्रीय रोवरझ्रेंजर जंबूरी की प्रेरणादायी स्मृतियाँ आने वाले वर्षों तक युवाओं को सेवा, नेतृत्व और राष्ट्रीय एकता के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेंगी। यह आयोजन निश्चय ही भारत स्काउट्स एंड गाइड्स के भविष्य के लिए एक सशक्त लॉन्चपैड सिद्ध होगा।

विधायक पुरंदर मिश्रा ने नवीन शेड कार्य का किया भूमिपूजन

नई दृष्टिबिंदु / oooo

रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा ने रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत रायपुर नगर पालिक निगम के जोन क्रमांक 2 अंतर्गत शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्रमांक 28 अंतर्गत नेहरू सांस्कृतिक भवन में 13 लाख रूपये की स्वीकृत लागत से नवीन टीन शेड का शीघ्र निर्माण किये जाने रायपुर नगर पालिक निगम के सभापति सूयकान्त राठौड़, शहीद हेमू कालाणी वार्ड क्रमांक 28 की पार्षद श्रीमती कृतिका जैन, गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, नवयुवकों, आमजनों, नगर निगम जोन 2 उपअभियंता नवीन वर्मा की उपस्थिति में श्रीफल फोड़कर और कुदाल चलाकर भूमिपूजन करते हुए शानदार सौगात दी। रायपुर उत्तर विधायक ने तत्काल स्वीकृति अनुसार नेहरू सांस्कृतिक भवन में नया टीन शेड का शीघ्र निर्माण तय समयसीमा के भीतर गुणवत्ता सहित प्राथमिकता से पूर्ण करवाने निर्देशित किया। वार्ड पार्षद ने वार्ड में नया विकास कार्य प्रारम्भ करने पर रायपुर उत्तर विधायक पुरंदर मिश्रा और नगर निगम सभापति सूयकान्त राठौड़ को सभी वार्डवासियों की ओर से हार्दिक धन्यवाद दिया।

खास खबर

देशभक्ति का उत्सव गणतंत्र दिवस, बच्चों को मिला सम्मान

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भिलाई। 77वें गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर भिलाई शहर के विभिन्न क्षेत्रों में देशभक्ति, उत्साह और सामाजिक समरसता के साथ राष्ट्रीय पर्व मनाया गया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, चंद्रमा चौक एवं लक्ष्मी नारायण वार्ड में भव्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए।

कार्यक्रम की शुरुआत राष्ट्रगान के साथ हुई, जिसके बाद तिरंगा फहराकर संविधान निर्माताओं एवं स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। ध्वजारोहण के पश्चात बच्चों में मिठाई वितरित कर खुशियां साझा की गईं। विशेष रूप से चंद्रमा चौक में बच्चों के शैक्षणिक विकास को ध्यान में रखते हुए कॉपी और पेंसिल का वितरण किया गया, जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति जागरूकता और प्रेरणा बढ़े। आयोजकों ने कहा कि शिक्षित समाज ही मजबूत राष्ट्र की नींव होता है।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने संविधान के मूल्यों, नागरिक कर्तव्यों एवं राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। बच्चों को अनुशासन, ईमानदारी और देशसेवा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर मनोज तिवारी, हेमंत बेहरा, अच्युतानंद तिवारी, सुभाष भगत, जय कुमार, वैष्णव गुरुजी, राजेश सिंह, रामबृक्ष वर्मा, फौजी राम प्यारे, विनोद शर्मा, अन्नू जायसवाल, अनिल विश्वकर्मा, टीटू पाजी, हर्ष शर्मा, प्रकाश शर्मा, संजीत यादव सहित वार्ड पार्षद मीना बंजारे विशेष रूप से उपस्थित रहीं। सभी अतिथियों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे सामाजिक एकता का प्रतीक बताया। स्थानीय नागरिकों, अभिभावकों एवं विद्यार्थियों की बड़ी उपस्थिति ने आयोजन को और भव्य बना दिया। पूरे क्षेत्र में देशभक्ति गीतों और नारों से माहौल देशप्रेम से सराबोर रहा। आयोजकों ने भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में राष्ट्रभक्ति, शिक्षा और सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने का संकल्प लिया।

वैशाली नगर में एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा आयोजित

भिलाई। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वैशाली नगर, भिलाई में दुर्ग जिले के 17 विद्यालयों के 553 कैडेटों की सहभागिता के साथ एनसीसी 'ए' सर्टिफिकेट परीक्षा आयोजित की गई। प्रायोगिक परीक्षा 28 जनवरी 2026 एवं लिखित परीक्षा 29 जनवरी 2027 को संपन्न हुई।

परीक्षा का संचालन कर्नल नीलेश चतुर्वेदी के निर्देशन में एडजुटेंट ऑफिसर प्रेमजीत सिंह, सूबेदार मेजर थानेश्वर, पीएल स्टाफ, लिपिकीय स्टाफ एवं विभिन्न विद्यालयों के एएनओ के सहयोग से किया गया। ANOनंदिता प्रकाश ने करनल नीलेश चतुर्वेदी का पौधा भेंट करके स्वागत किया। इस अवसर पर शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, वैशाली नगर की प्राचार्य द्वारा कर्नल नीलेश चतुर्वेदी का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया। परीक्षा के सफल आयोजन पर कर्नल द्वारा प्राचार्य श्रीमती संगीता सिंह बघेल को स्मृति-चिह्न एवं धन्यवाद पत्र प्रदान किया गया।

किसान रो रहा है, सरकार मौन है: भाजपा की नीतियों से किसान आत्महत्या करने मजबूर – अरुण वोरा

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

मनरेगा बचाओ संग्राम व धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदेशभर में किया प्रदर्शन

अहिंसा के पथप्रदर्शक, सत्य के अग्रदूत एवं भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रेरणास्रोत, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के शहादत दिवस पर आज कांग्रेस पार्टी ने मनरेगा बचाओ संग्राम एवं धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदेशभर में प्रदर्शन किया। कई जिलों में केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा मनरेगा योजना से छेड़छाड़ कर लाई जा रही नई योजना VB-G RAM G के विरोध में कांग्रेस ने सड़कों पर उतरकर आवाज बुलंद की। कांग्रेस का आरोप है कि मोदी सरकार महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) को समाप्त कर नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने की तैयारी में है, जिसे मौजूदा शीतकालीन सत्र में चर्चा के लिए सूचीबद्ध भी किया गया है।

इसी क्रम में दुर्ग शहर में हिंदी भवन के सामने धान खरीदी की निर्धारित तिथि बढ़ाने और मनरेगा को बचाने की मांग को लेकर एकदिवसीय शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस प्रदर्शन में दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं प्रदेश के वरिष्ठ कांग्रेस नेता अरुण वोरा शामिल हुए।

धरना स्थल पर मीडिया से चर्चा करते हुए अरुण वोरा ने कहा– अगर राज्य और केंद्र की भाजपा सरकार सच में महात्मा गांधी के आदर्शों और सिद्धांतों का पालन करती, तो मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना से छेड़छाड़ करने की हिम्मत नहीं करती। आज हालत यह है कि गरीब मजदूरों को काम नहीं मिल रहा और किसानों का धान बेचने का टोकन तक नहीं बन रहा। किसान हताश और परेशान हैं।

उन्होंने जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा क्षेत्र की घटना का उल्लेख करते हुए कहा– एक किसान,जिसने सैकड़ों क्विंटल धान पैदा किया, वह एक महीने तक खरीदी केंद्रों के चक्कर काटता रहा। जब उसकी सुनवाई नहीं हुई, तो उसने वीडियो बनाकर कीटनाशक पी लिया। यह केवल एक व्यक्ति की त्रासदी नहीं, बल्कि भाजपा सरकार की असफल नीतियों का आईना है। इससे पहले महासमुंद और कोरबा जैसे जिलों में भी टोकन नहीं मिलने से परेशान किसानों द्वारा आत्मघाती कदम उठाने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

मनरेगा कमजोर, किसान मजबूर

अरुण वोरा ने कहा कि मनरेगा गांवों की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। आज मजदूरों को न तो समय पर काम मिल रहा है, न ही मजदूरी। सरकार नए कानून के नाम पर मनरेगा को धीरे-धीरे खत्म करने की साजिश कर रही है, जिससे ग्रामीण गरीबों का आखिरी सहारा भी छिन जाएगा। जब किसान और मजदूर मरने को मजबूर हों, तब सरकार मूकदर्शक बनी रहे—यह लोकतंत्र नहीं, अन्याय है। कांग्रेस सड़क से सदन तक किसानों और मजदूरों की लड़ाई लड़ेगी।

किसानों की बदहाली पर बोले—यह सिस्टम नहीं, संवेदनहीनता है

वोरा ने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ में किसान लगातार अपमान और मानसिक प्रताड़ना झेल रहा है।धान खरीदी केंद्रों में टोकन न मिलने से किसान महीनों से चक्कर काट रहे हैं। कई जिलों से ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जहां टोकन नहीं मिलने के कारण किसानों ने आत्मघाती कदम उठाने की कोशिश की।

संस्कार स्कूल को मिला राष्ट्रीय अवार्ड

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिले की सर्वश्रेष्ठ शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल को फिर से शैक्षणिक राष्ट्रीय अवार्ड से पुरस्कृत करने की घोषणा की गई है। नेशनल स्कूल अवार्ड संस्था की सदस्या अर्चना ने बताया कि संस्था द्वारा देश की उन्नतशील एवं उभरती हुई 50 स्कूल को शैक्षणिक अवार्ड से नवाजा जायेगा।

इसी श्रृंखला में संस्कार पब्लिक को उनके बहुआयामी क्रियाकलाप,व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम ,इंफ्रास्ट्रक्चर कार्य और बेहतरीन अकेडमिक गतिविधियों के चलते यह अवार्ड देने की घोषणा की गई है। अर्चना ने डिजिटल जानकारी देते हुए बताया कि यह पुरस्कार बेंगलुरु में 11 अप्रैल को शानदार समारोह में दिया जायेगा। संस्कार स्कूल की इस सफलता पर संचालक रामचंद्र शर्मा ने इसे पुरे रायगढ़ वासियों के लिए गर्व का विषय बताया है। प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा और समस्त स्टॉफ तथा पालकों ने इसके लिए बहुत बहुत बधाई देते हुए शुभकामनायें दी है।

सम्मान

देश के टॉप 50 प्रगतिशील और उभरते हुए स्कूल में शामिल ,रंग लाई शिक्षाविद रामचंद्र की मेहनत

वीर शहीदों के बलिदान का किया पुण्य स्मरण, जिला पंचायत दुर्ग के सभा कक्ष में दी गई मौन श्रद्धांजलि

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले अमर शहीदों की स्मृति में जिला पंचायत सभा कक्ष, दुर्ग में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बजरंग कुमार दुबे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत दुर्ग की अध्यक्षता में दो मिनट का मौन धारण कर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

इस अवसर पर श्री दुबे ने कहा कि अमर शहीदों का बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने युवाओं से राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने तथा देश की एकता एवं अखंडता को सुदृढ़ बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश के अमर सेनानियों के संघर्ष और त्याग के कारण ही आज हम स्वतंत्रता एवं गणतंत्र के गौरव का अनुभव कर रहे हैं। अंत में उन्होंने सभी से शहीदों के सपनों का सशक्त और समृद्ध भारत बनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में आकाश सोनी, उप संचालक, पितम्बर कुमार यादव, सहायक परियोजना अधिकारी, संख्या सिंह, सहायक परियोजना अधिकारी, कुलदीप देवांगन, लेखा अधिकारी सहित जिला पंचायत के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे। उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अमर शहीदों के बलिदान को नमन करते हुए उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया।

मड़ाई मेला के दौरान कानून व्यवस्था व अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस की प्रभावी कार्यवाही

दुर्ग। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) तथा अनुविभागीय अधिकारी पुलिस धमधा के मार्गदर्शन में अनुविभाग धमधा क्षेत्रांतर्गत आयोजित मड़ाई मेला के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, अपराध नियंत्रण एवं रोकथाम हेतु पुलिस द्वारा सघन एवं प्रभावी सुरक्षा व्यवस्था एवं निगरानी की गई। मेले के दौरान असामाजिक तत्वों पर नियंत्रण एवं आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा निरंतर गश्त, चेकिंग एवं वैधानिक कार्यवाही की गई, जिसके अंतर्गत निम्न प्रमुख कार्यवाहियां की गई है। आर्म्स एक्ट के अंतर्गत 2 प्रकरणों में कार्यवाही की गई। विभिन्न मामलों में लगभग 1000 नग कड़े/आपत्तिजनक वस्तुएं जप्त की गई। साथ ही शांति व्यवस्था भंग करने की आशंका को दृष्टिगत रखते हुए 30 व्यक्तियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा मेले के दौरान संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखी गई तथा संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत नजर रखते हुए समय-समय पर आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई, जिससे मड़ाई मेला शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं व्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।

ब्रह्माकुमारीज आनंद सरोवर बघेरा में महाशिवरात्रि पर्व पर द्वादश ज्योतिर्लिंग व चैतन्य झाँकी का आयोजन 8 फरवरी से

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के बघेरा स्थित "आनंद सरोवर " दुर्ग में महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर 8 फरवरी से 16 फरवरी तक नौ दिवसीय " शिव दर्शन आध्यात्मिक मेला " का आयोजन किया जा रहा है । इस झाँकी के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका ब्रह्माकुमारी रीटा बहन ने बताया कि प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर संस्था द्वारा भिन्न-भिन्न झाँकी का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी 40 फीट ऊँचा शिवलिंग, शिवलिंग पर अनवरत अनोखा दुग्धाभिषेक, शिव-शंकर की चैतन्य झाँकी, आत्मा-परमात्मा का भेद,सृष्टि के उत्थान एवं पतन का अद्भुत दर्शन, सूर्य-चंद्र तारागण से पार की अनोखी दुनिया का रहस्य को आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी के द्वारा दिखायी जायेगी । मेले का समय प्रतिदिन सुबह 6:00 से दोपहर 1:00 बजे तक एवं शाम 5:00 से रात्रि 10:00 बजे तक रहेगा ।

उल्लेखनीय है कि शिवरात्रि परमात्मा "शिव" के अवतरण का यादगार है । निराकार परमपिता परमात्मा "शिव" 1936 में दादा लेखराज के मानवीय शरीर में प्रविष्ट होकर सर्वप्रथम ज्ञान दिया कि आप चैतन्य शक्ति आत्मा हो एवं दुनिया में सर्व मनुष्य आत्माएं आपस में भाई-भाई हैं व एक निराकार परमात्मा की संतान है । एवं दादा लेखराज का दिव्य नाम प्रजापिता ब्रह्मा दिया एवं

परमात्मा "शिव" इस सृष्टि में नयी दैवी दुनिया के स्थापना अर्थ परमात्मा "शिव" इस सृष्टि में नयी दैवी दुनिया के स्थापना अर्थ प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय का स्थापना किए । परमात्मा के इस दिव्य कर्तव्य का कार्य विगत 90 वर्षों से चल रहा है इसलिए सर्व मनुष्य आत्माओं को परमात्मा द्वारा दिये गये ज्ञान को देने इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व अत्यंत उमंग-उल्लास से मनाया जाएगा। इस वर्ष विशेष नृत्य नाटिका "नशा नाश का द्वार है - राजयोग सफलता का है " का आयोजन इस मेले में विशेष आकर्षण का केंद्र होगा ।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग शहर के बघेरा में स्थित "आनंद सरोवर " परिसर शहर के कोलाहल और भीड़-भाड़ से दूर अत्यंत सुरम्य, शांतमय,मनोरम स्थल है । यहाँ आने मात्र से ही मन को अलौकिक शांति व सुखमय वातावरण की अनुभूति होती है । यहाँ 2000 से अधिक लोगों के बैठने के लिए विशाल "कमला दीदी सभागृह " मेडिटेशन कक्ष,सभाकक्ष आदि निर्मित है।

निर्देश ई-ऑफिस प्रक्रिया तहसील एवं जनपद स्तरीय कार्यालयों में प्रारम्भ करायें

एसआईआर के तहत नोटिस जनरेट कर सुनवाई करें : कलेक्टर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने कहा कि सभी ईआरओ एसआईआर के अंतर्गत लंबित नोटिस जनरेट कर सुनवाई की कार्यवाही पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि विधानसभावार नोटिस की कार्यवाही लंबित है। निर्धारित अवधि को ध्यान में रखते हुए, इस पर तत्परतापूर्वक कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि जिला कार्यालयों के अलावा अब अनुविभाग, तहसील एवं विकासखण्ड स्तर के कार्यालयों में भी ई-ऑफिस की प्रक्रिया प्रारंभ की जाए। इस संबंध में सभी जिला कार्यालय प्रमुख अधीनस्थ कार्यालयों से संबंधित डेटा एनआईसी को शीघ्र उपलब्ध कराएं।

कलेक्टर ने बायोमेट्रिक उपस्थिति को गंभीरता से लेते हुए प्रारंभ तिथि से अधिकारी कर्मचारियों की उपस्थिति पत्रक बनाने तथा अनुपस्थित अधिकारियों कर्मचारियों को नोटिस देने की कार्यवाही करने जिला सूचना विज्ञान अधिकारी को निर्देशित किया। कलेक्टर सिंह आज जिला अधिकारियों की समय-सीमा बैठक में विभागवार लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने लाइवलीहुड कॉलेज निर्माण हेतु अद्यतन प्रगति की समीक्षा करते हुए कहा कि भूमि आबंटन के संबंध में संबंधित विभाग शीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रदाय करना सुनिश्चित करें। जिला मुख्यालय में मनोरोगी हॉस्पिटल की जानकारी लेते हुए निर्माण स्थल पर अवस्थित पूर्व भवन की डिस्मेंटल कार्य सीजीएमएससी द्वारा शीघ्र कराई जाए ताकि हास्पिटल निर्माण कार्य प्रारंभ किया जा सके। उन्होंने बगैर लायसेंस प्राप्त अस्पताल चलाने वालों पर कड़ी कार्यवाही करने सीएसएचओ को निर्देशित किया। साथ ही सिकल सेल जांच हेतु चिन्हांकन और वय वंदना योजना अंतर्गत प्रगति लाने के निर्देश भी दिए।

कलेक्टर सिंह ने आंगनबाड़ी केन्द्रों में प्रारंभ आधार पंजीयन की जानकारी ली। उन्होंने बाल विकास परियोजना वार जानकारी प्रस्तुत करने ईडीएम को निर्देशित किया। कलेक्टर ने अनुसुचित जाति विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत कार्यो की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति की जानकारी ली। साथ ही निर्माण कार्य एजेंसी विभागों को कार्यपूर्णता के संबंध में यूसी/सीसी सहायक आयुक्त आदिवासी विकास को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने अवगत कराया कि प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के द्वितीय चरण अंतर्गत खाद्य विभाग को प्राप्त आवेदनों का संबंधित नगरीय निकायों एवं जनपदों के माध्यम से सत्यापन कराया जाना है। इस हेतु नगरीय निकायों एवं जनपदों के कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। आवेदकों के लिए निर्धारित पात्रता के अनुसार रेंडम सत्यापन कराना सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में श्रम विभाग के पदाधिकारी द्वारा श्रमिक पेंशन योजना की जानकारी दी गई। इस अवसर पर एडीएम अभिषेक अग्रवाल, डीएफओ दीपेश कपिल, जिला पंचायत के सीईओ बजरंग दुबे, अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह एवं श्रीमती योगिता देवांगन, नगर निगम भिलाई के आयुक्त राजीव पाण्डेय, नगर निगम दुर्ग के आयुक्त सुमित अग्रवाल, नगर निगम रिसाली की आयुक्त श्रीमती मोनिका वर्मा, नगर निगम भिलाई चरोदा के आयुक्त दशरथ राजपूत, संयुक्त कलेक्टर हरवंश सिंह मिरी एवं श्रीमती सिल्ली थॉमस, सभी एसडीएम एवं जनपद सीईओ सहित समस्त विभाग के जिला प्रमुख अधिकारी उपस्थित थे।

भिलाई नगर, पाटन व अहिवारा क्षेत्रों में विकास कार्यो के लिए राशि स्वीकृत

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजना के अंतर्गत भिलाई नगर, पाटन और अहिवारा विधानसभा क्षेत्रों में विभिन्न जनहित कार्यों के लिए कुल 34 लाख 38 हजार 94 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है।

जिले के प्रभारी मंत्री विजय शर्मा द्वारा अनुशंसित इन कार्यो के तहत भिलाई नगर विधानसभा में वार्ड 63 होसन्ना चौक के पास सार्वजनिक टीन शेड निर्माण एवं कांक्रीटीकरण हेतु 4 लाख 99 हजार 698 रूपए, बुद्ध विहार के पास सार्वजनिक शौचालय निर्माण हेतु 2 लाख 49 हजार 517 रूपए, सेक्टर 06 की सड़क 60-61 के मध्य सार्वजनिक डोम शेड निर्माण हेतु 5 लाख 99 हजार 684 रूपए तथा सेक्टर 07 सड़क 35 के डोम शेड में फेंसिंग कार्य हेतु 1 लाख 49 हजार 739 रूपए स्वीकृत किए गए हैं, जिनकी क्रियान्वयन एजेंसी आयुक्त नगर निगम भिलाई हैं।

इसी प्रकार पाटन विधानसभा के अंतर्गत नगर पालिका परिषद कुम्हारी के वार्ड 16 लोटस सिटी में शेड निर्माण हेतु 4 लाख 99 हजार 456 रूपए की स्वीकृति दी गई है, वहीं अहिवारा विधानसभा के ग्राम पंचायत हवेलीडीह में सी.सी. रोड निर्माण हेतु 2.40 लाख और ग्राम कुटेलाभाठा में सरस्वती शिशु मंदिर के पास सामुदायिक भवन निर्माण हेतु 12 लाख रूपए स्वीकृत किए गए हैं। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार, सभी कार्यो के संपादन हेतु संबंधित क्रियान्वयन एजेंसियों द्वारा किया जाएगा।

संपादकीय

हादसा मतलब कहीं न कहीं चूक तो हुई है

कहीं भी कोई हादसा होता है तो इसका साफ मतलब होता है कि कहीं न कहीं चूक तो हुई है। हर हादसे के बाद जांच होती है, हादसा क्यों हुआ पता चलता है, वैसी चूक न हो इसका प्रयास भी किया जाता है लेकिन हादसे रुकते नहीं है। हादसे में आम लोग भी मारे जाते हैं और खास लोग भी मारे जाते हैं।इससे घर,परिवार,राज्य व देश का नुकसान तो होता ही है। इसके बाद भी हादसों पर रोक नहीं लगती है तो सवाल उठना स्वाभाविक है कि हादसों पर रोक क्यों नही लगती है, आखिर हादसों में आम लोग व खास लोग कब तक मारे जाते रहेंगे। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार का प्लेन क्रैश होने पर उनकी मौत के बाद फिर से यह सवाल पैदा हो गया है कि वीवीआईपी की सुरक्षा में बार बार चूक कैसे हो जाती है और असमय एक परिवार,एक राज्य अपना बड़ा नेता खो देता है। परिवार व राज्य को ऐसी क्षति हो जाती है जिसका भरपाई नहीं हो सकती।

यह पहली बार नहीं है कि जब भारत में हुए विमान या हैलिकाप्टर हादसे में किसी परिवार ने अपना मुखिया या राज्य ने अपना बड़ा नेता खोया है। इससे पहले इसी तरह के हादसों में संजय गांधी,माधवराव सिंधिया,जीएमसी बालोयोगी,वायएस राजशेखर रेडडी,सीडीएस विपिन रावत,होमी जहांगीर भाभा,विजय रूपाणी आदि वीवीआईपी की मौत हो चुकी है। हर हादसे के बाद यह सवाल उठता रहा है कि क्या वीवीआईपी उडानों में जोखिम प्रबंधन उतना अच्छा है जितना दावा किया जाता है। यह सच हो सकता है कि हर हादसा एक पल की गलती का परिणाम हो सकता है। पर यह भी सच है कि विमानन उद्योग का जितनी तेजी से विस्तार हो रहा है उतनी ही तेजी से सुरक्षा के प्रबंधन हर हवाई अड्डू पर हो नहीं हो पा रहे हैं। हर हादसे के बाद शोक तो व्यक्त किया जाता है,जांच भी होती है,जांच रिपोर्ट भी आती है लेकिन क्या व्यवस्थागत सुधार स्थायी रूप से लागू होते हैं। ऐसा होता नहीं है इसलिए हादसे होते रहते हैं। जरूरत है कि निजी चार्टर विमान कंपनियों पर भी वही नियम सख्ती से लागू होने चाहिए जो वाणिज्य उड़ानों पर भी लागू होते हैं। ऐसे हादसे रोकने के लिए नागर विमानन मंत्रालय को नेशलन वीवीआईपी एयर सेफ्टी पालिसी बनानी चाहिए और लागू भी करनी चाहिए।

अजित पवार महाराष्ट सरकार में छह बार उप मुख्यमंत्री रहे।वह कांग्रेस,शिवसेना व भाजपा तीनों सरकार में डिप्टी सीएम रहे। उनका सपना महाराष्ट्र का सीएम बनने था,वह उनके निधन से अधूरा रह गया है।वह लंबे समय तक पवार की छत्रछाया में राजनीति करते रहे। उनकी सीएम बनने या डिप्टी सीएम बनने की महत्वाकांक्षा के चलते जब भाजपा महाराष्ट्र में मजबूत हुई तो उन्होंने शरद पवार से बगावत करने व पार्टी तोड़ने का साहस किया। 2023 में वह शरद पवार से अलग होकर नई पाटी बनाई और नया चुनाव चिन्ह हासिल किया और 24 के विधानसभा चुनाव में उन्होंने 41 सीटें जीतकर महाराष्ट्र की राजनीति अपनी एक अलग जगह बनाई और साबित किया कि अब महाराष्ट्र की राजनीति में शरद पवार के अलावा वह भी एक बड़े खिलाड़ी हैं और सरकार बनाने व बिगाडने.में उनकी भी अहम भूमिका है।

महाराष्ट्र के लोकप्रिय नेता अजित पवार के असामयिक निधन से महाराष्ट्र की सियासत में एक ऐसा खालीपन आ गया है जिसके आसानी से भरने की उम्मीद नहीं है। इसका असर महाराष्ट्र की सत्ता,संगठन व गठबंधन पर पड़ेगा। महायुति सरकार में अजित पवार एक पावर संतुलित करने वाले नेता थे। उनके रहने से यह सत्ता में एक संतुलन बना हुआ था, उनके न रहने से यह संतुलन गड़बड़ा सकता है। भाजपा के लिए अजित पवार एक सियासी सहारा था, यह सियासी सहारा भाजपा को फिर से खोजना पड़ेगा। अजित पवार के रहते डिप्टी सीएम एकना। शिंदे भी जानते थे वह अपनी किसी बात को मानने के लिए सरकार को मजबूर नहीं कर सकते । अब अजित पवार के न रहने पर एकनाथ शिंदे पर सरकार की निर्भरता और बढ़ जाएगी तो वह भी अपने हित के लिए सरकार पर और ज्यादा दवाब डाल सकते हैं अपनी बात मनवाने के लिए। अजित पवार के न रहने से आगे क्या होगा, इसे लेकर कई तरह की चर्चा चल रही है। एक संभावना यह है कि उनकी पत्नी व बेटे राजनीति में सक्रिय भूमिका निबाह सकते हैं।इसमें भाजपा उनका सहयोग कर सकती है।इसके अलावा यह भी माना जा रहा है कि शरद पवार फिर से राजनीति के केंद्र में आ जाएंगे। वह दोनों गुटों को एक करने का प्रयास कर महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से अपने आपको अहम खिलाड़ी बनाने का प्रयास कर सकते हैं। अगर दोनो गुट मिल जाते हैं तो एनसीपी के लोकसभा में 8 सांसद और महाराष्ट्र में विधायकों की संख्या 51 हो जाएगी और शरद पवार राज्य ही नहीं केंद्र की राजनीति में भी असर डालने वाले हो जाएंगे।

महात्मा गांधी गए नहीं, वह हमारे बीच में हैं

डॉ. सुधीर सक्सेना

गांधी आज हमारे बीच नहीं हैं। गांधी का हमारे बीच न होना गांधी के होने की जरूरत है। उनकी अनुपस्थिति उनकी उपस्थिति की इंगिति है। उजाला हो तो उसकी क़ीमत का हमें पता नहीं चलता। अंधियारे में उजाले की जरूरत और अहमियत बढ़ जाती है। तमस में हम आलोक का स्मरण करते हैं और आवाहन भी। ये पंक्तियां भी उन्हें टेरने जैसी हैं, क्योंकि महात्मा गांधी विश्व इतिहास की ऐसी अपूर्व और अद्भुत शख़्सियत हैं। गांधी ऐसे अलीक योद्धा हैं, जो सदा लीक छोड़कर चले। बड़ी बात यह नहीं कि उन्होंने लीकें तोड़ीं, वरन बड़ी बात यह कि उन्होंने नयी लीकें रचीं। विश्व इतिहास की महान विभूतियों में गांधी वह व्यक्ति हैं, जिन्हें वर्गीकृत करना कठिन है।

गांधी आजादी की लड़ाई के अपने पूर्ववर्ती समस्त रणबांकुरों से भिन्न हैं। वे भगवान बुद्ध के बाद इस भूखण्ड में पहले व्यक्ति हैं जिन्होंने इस महादेश की आत्मा को पहचाना, समूचे देश को आलोड़ित किया और सारा देश इस फकीर के पीछे चल पड़ा। गांधी अपने आयुधों से विश्व की सबसे शक्तिशाली हुकूमत के खिलाफ जंग ही नहीं छेड़ते हैं, वरन् इस गौरवशाली अतीत के पददलित, शोषित और विपन्न महादेश के समक्ष नया सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक फलसफा भी प्रस्तुत करते हैं। गांधी चिन्तन को आचरण में ढालने का प्रतिमान है और अपने समकालीनों से आजादी की लंबी लड़ाई में हर कहीं कई कदम आगे नज? आते हैं। उनके युवा अनुयायी भी उनके साथ कदमताल नहीं कर पाते। गांधी आजीवन अपना सलीब साथ लिए चलते नज? आते हैं।

गांधी महान क्यों हैं? इसलिए कि उनसे घोर असहमति भी उन्हें खारिज नहीं कर सकती। इसलिए भी कि एक पंक्ति में उन्हें बयां नहीं किया जा सकता। वे गृहस्थ हैं, लेकिन वीत-रागी। कोई आश्चर्य नहीं यदि बापू को बचपन में राम का वनगमन और बुद्ध का गृहत्याग का प्रसंग झकझोरता रहा हो। उपवास, आश्रमों की स्थापना, शाकाहार, प्राकृतिक चिकित्सा के प्रयोग, पदयात्रा, सत्याग्रह, अहिंसा जहां उन्हें अनायास आर्ष ऋषियों, बौद्ध व जैन श्रमणों से जोड़ देती है, वहीं उनकी करुणा उन्हें प्रभु यीशु की सलीब के निकट ले जाकर खड़ा कर देती है। उनका फक्कड़पन कबीर और मंसूर की याद दिलाता है और सत्य के लिए उनका अदम्य आग्रह सुकरात का। आजादी की लड़ाई के अनेक प्रसंगों में वे हठयोगी नज? आते हैं। बेशक वे निर्मोही हैं और उनका मोह किसी पार्थिव तत्व से नहीं है। उनका साध्य पवित्र है और साधन भी पूत। नौरोजी, तिलक और गोखले का चिन्तन उनमें एक साथ परिष्कार व उन्नयन पाता है। वे किसी की परवाह नहीं करते, किसी की कोई फिक्र नहीं, बेफिक्र-बेपरवाह, हद्द छोड़कर बेहद्द हुई शख़्सियत हैं गांधी। जेब में 'बार एट लॉइ की सनद, मगर पारम्परिक ढंग से वकालत नहीं।

'चौरी-चौराइ काण्ड हुआ कि सत्याग्रह स्थगित। सबका रोष सिर माथे, मगर टस से मस नहीं। अविचलित, निर्विकार। ब्रिटिश हुकूमत का दम्भ चूर-चूर करने के लिये वे अपने हाथों नमक का चूरा बनाते हैं। सनातनी समाज की कोपदृष्टि से बेखबर वे अछूतोद्धार और अस्यपृश्यता उन्मूलन का अभियान छेड़ देते हैं। लिवरपूल की मिलों के करघे रोकने के लिए वे चरखा कातते हैं। देखते-देखते खादी राष्ट्र की पोशाक बन जाती है। उन्हें गूंगी या विदेशी जुबान में आजादी नहीं चाहिए। उनकी आजादी की लड़ाई हिन्दी की लड़ाई भी है। आजादी के मौके पर जब बीबीसी संवाददाता साक्षात्कार के लिए आता है, बापू कहते हैं- 'जाओ, दुनिया से कह दो गांधी अंग्रेजी भूल गया।इ उनके सोच के फलक में हर कोई है: ब्राह्मण भी, दलित भी, हिन्दू भी, मुसलमान भी, शिक्षा भी, सेवा भी, दस्तकार, मेहतर हर कोई उनकी चिन्ता के दायरे में है। अल्बर्ट आइंस्टाइन सच कहते हैं- 'आने वाली सदियां इस बात पर शायद ही यक़ीन करें कि इस धरती पर हाड़मांस का ऐसा भी कोई आदमी हुआ था।इ

गांधी सत्यनिष्ठ योद्धा हैं। वे सत्य की लाठी से धरती को मुक्ति की ओर ठेलने का उपक्रम करते हैं। ज्ञात इतिहास में गांधी बिरले हैं कि वे 'ईश्वर सत्य हैइ कहने के बजाय 'सत्य ही ईश्वर हैइ कहते हैं। ये बात वे बार-बार दोहराते हैं। उनका सत्य को ईश्वर निरूपित करना, गहरी साधना या तप से जीवन और जगत के 'सत्यइ को पा लेना है। उनका यह 'बोधइ आजीवन कायम रहता है, सत्यनिष्ठा से वह कभी या कतई डिगते नहीं। एक नहीं छह बार उनके प्राण लेने की चेष्टा होती है, लेकिन वे न कभी विचलित होते हैं, न भयभीत और न ही सशंकित। वे अडिग रहते हैं। सत्यनिष्ठा उनकी शक्ति है, अपरिमित शक्ति। गांधी को गरियाने वाले अज्ञानी, दंभी और कुचक्री लोग गांधी और राम के रिश्ते को नहीं जानते। गांधी का राम नाम से अटूट रिश्ता रहा। राम नाम का मंत्र उन्हें बचपन में उनकी धाय रंभा से मिला था। इस मंत्र से वह निर्भय हुए। गांधी ने स्वयं कहा, 'इस राम नाम ने जीवन के अंधकारमय समयों में सूर्य के प्रकाश-सा काम किया है।'

विश्व में किसी के मुख से प्राण त्यागते समय 'हे, रामइ नहीं निकला। मेरे जाने गांधी से बड़ा रामभक्त कोई दूजा न हुआ। गांधी कबीर के बाद के कबीर हैं, बीसवीं सदी के बलिदानी कबीर। कबीर राम की 'बहुरियाइ हैं, और 'कूताइ (कुत्ता) भी। लेकिन कबीर का राम दशरथनंदन राम नहीं है। वह घट-घट में व्याप्त, अणु-अणु में व्याप्त, ज?-ज? में व्याप्त, जड़-चेतन में व्याप्त अविनाशी राम है। बापू कहते हैं- 'मेरे लिए राम नाम ने जो काम किया, वही काम एक ईसाई के लिए यीशु का नाम कर सकता है। वैसा ही असर किसी मुसलमान पर अल्लाह के नाम का हो सकता है...। पर सिर्फ नाम रटना पर्याप्त नहीं है। हमारे रोम-रोम में यह नाम बस जाना चाहिए।

30 जनवरी, 1948 तो बहुत बाद की घटना है। गांधी के जीवन के गलियारे में पीछे चलें। चालीस साल पीछे। सन् 1908। तारीख 10 फरवरी। स्थान जोहानिसबर्ग। गांधीजी पंजीकरण के लिए जा रहे थे कि मीर आलम नामक क्षुब्ध भारतीय ने उनका रास्ता रोक लिया। पूछने पर गांधी ने कहा- 'तुम भी चलो। पहले तुम्हारा करवाऊंगा, फिर अपना।इ बात पूरी भी न हुई थी कि सिर पर जोरों का डंडा पड़ा। मुख से निकला- 'हे राम।इ वे अचेत होकर गिर पड़े। गांधी और साथियों की तब तक पिटाई हुई, जब मीर और साथियों को लगा कि गांधी मर गये।

बरसों बाद। 20 जनवरी, 1948। स्थान दिल्ली। बिड़ला भवन में मदनलाल पाहवा ने धमाका किया। मगर गांधी जी बच गये। लेडी माउन्टबेटन ने इस बहादुरी के लिए बापू की प्रशंसा की, तो उन्होंने कहा- 'यह बहादुरी नहीं थी। मुझे कहां पता था कि कोई जानलेवा हमला होने को है। बहादुरी तो तब कहलायेगी, जब कोई सामने से गोली मारे और फिर भी मेरे मुख पर मुस्कान हो, मुंह में राम का नाम हो।इ पाहवा को दोष दिये बिना उन्होंने कहा कि उसने यह मान लिया कि मैं हिन्दू धर्म का दुश्मन हूं। वह कह रहा है कि उसने यह काम भगवान के नाम पर किया। तब तो उसने भगवान को भी अपने दुष्कर्म में भागीदार बना लिया है। पर ऐसा तो हो नहीं सकता। इसलिए जो कुछ उसके पीछे या जिन्होंने उसे हथियार बनाया है, मैं उनसे कहना चाहता हूं कि ऐसा सब करने से हिन्दू धर्म बच नहीं सकता। इसके बाद सीधे आयें 30 जनवरी की घटना पर। कुमार प्रशांत के शब्दों में, 'दस दिन पहले जहां मदनलाल पाहवा विफल हुआ था, दस दिन बाद वहीं नाथूराम गोडसे सफल हुआ।

महात्मा की हत्या के प्रयासों को समेटे जो नाटक चालीस साल खेला गया और 30 जनवरी, 48 को जिसका पटाक्षेप शोकांतिका में हुआ, वह नाटक छह अंकी था। यह प्रश्न अनुत्तरित नहीं है कि उसकी 'स्क्रिप्ट किसने लिखी? सारी दुनिया पटकथा लेखक के नामधाम, कुल-गोत्र और उनके कुनबे को जानती है। दूसरे गोलमेज सम्मेलन के दौरान लंदन के बिशप बापू से मिलते हैं। कहते हैं- 'प्रभु यीशु ने कहा है कि अपने दुश्मन से भी प्यार करो। आपका क्या कहना है? चरखा कातने में निमग्न गांधीजी कहते हैं- 'मेरा तो कोई दुश्मन ही नहीं है।

बिशप अवाक। बिशप ही क्यों? गांधी के सम्मुख इकबारगी विश्व अवाक रह जाता है। गांधी का वर्गीकरण मुमकिन नहीं। वह किसी खाने में नहीं अंटते। और जिस खाने में वह खड़े होते हैं, वहां कोई और नहीं ठहरता। साउथ अफ्रीका का कार्यवाहक पीएम अटार्नी जनरल हैरी एस्कॉब उन्हें पसंद नहीं करता, मगर उसकी लाचारी कि वही गांधी उसके काम आते हैं। डरबन का पुलिस सुपरिटेंडेंट अलेक्जेंडर गांधी और भारतीयों का घोर विरोधी है, मगर गांधी 'कुलीइ से साबका पड़ता है, तो वह बदल जाता है। और तो और उसकी पत्नी जेन अलेक्जेंडर गांधी की प्राणरक्षा करती है। अकारण नहीं कि गांधी की जान का गाहक मीर आलम उनका 'पक्का सिपाही' बन जाता है और सन् 1914 में गांधी को जानलेवा हमले से बचाता है। यह गांधी का ही बूता है कि वे शहीद सुहरावर्दी जैसे मजहबी और लीगी नेता को अपना बगलगीर बना लेते हैं।

जनरल स्मट्स का किस्सा सर्वज्ञात है। गांधी और स्मट्स के बीच जंग लंबी चलती है। गांधीजी कारावास में स्मट्स के पांवों की नाप की चप्पल बनाकर उन्हें भेंट करते हैं। बापू के 70वें जन्मदिन पर स्मट्स कहते हैं- 'जब से मुझे यह चप्पल मिली है, मैंने इसे कई बार पहना है। पर हर बार मैंने यह महसूस किया है कि ऐसे महान व्यक्ति द्वारा बनायी गयी इन चप्पलों में पांव डालने लायक मैं नहीं हूं।'

ऐसे थे गांधी। 'थेइ नहीं, ऐसे हैं गांधी। सहस्त्राब्दी की शख़्सियत। या कि इतिहास का विरल व्यक्तित्व। दक्षिण अफ्रीका में उनके नेतृत्व में नौ साल चले सत्याग्रह में छह हजार लोग जेल गये थे। यह एक नया प्रयोग था। सवर्था नूतन। और अनूठा। संचार क्रांति बाद में हुई, मगर इस कृशकाय व्यक्तित्व के कार्यों का परिमल संपूर्ण विश्व में फैल जाता है। वह प्रेरणा देता है। नेल्सन मंडेला। मार्टिन ल्यूथर किंग। सू की...। आइंस्टाइन उन्हें अमेरिका आमंत्रित करते हैं। आइंस्टाइन जैसी शख़्सियत की मेजबानी। बापू विनम्रतापूर्वक मना कर देते हैं। कहते हैं कि मेरे पास अमेरिका को देने लायक कुछ नहीं है।

इतिहास की दीवार पर लिखी यह इबारत अमिट है। गांधी थे नहीं, गांधी हैं। गांधी रहेंगे। गांधी ने कभी किसी से घृणा नहीं की, लेकिन उनसे घृणा में जी रहे वधिक वृत्ति के उनके बैरी जानते हैं कि गांधी का जीवित रहना उनके लिए कितना घातक है। उनकी फिक्र यही है कि गांधी को मारने के बाद गांधी की आत्मा को कैसे मारा जाए। हर ईसा और हर गांधी अपनी सलीब अपने कांधे लेकर चलता है। परंतु यह तो सोचिये कि उनकी हत्या का 'लाइसेंसइ उन्हें कौन देता है, जबकि हत्यारों का ईश्वरीय या रामराज्य से कहीं कोई वास्ता नहीं होता।

कहीं भारी न पड़ जाए गाइडलाइन पर गुस्सा

उमेश चतुर्वेदी

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है।

दरअसल नए नियमों में 'जातिगत भेदभाव' का मतलब केवल अनुसूचित जाति यानी एससी, अनुसूचित जनजाति यानी एसटी और अन्य पिछड़ा वर्ग यानी ओबीसी के खिलाफ भेदभाव बताया गया है। विवाद इसी को लेकर है । सामान्य वर्ग के छात्रों और छात्र संगठनों का आरोप है कि यह परिभाषा एकतरफा है और इसमें 'सामान्य वर्ग' के खिलाफ भेदभाव या झूठी शिकायतों का कोई जिक्र नहीं है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी की जनवरी में जारी गाइडलाइन के खिलाफ देशभर के छात्रों और शिक्षाविदों के एक बड़े तबके में भारी रोष दिख रहा है। प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026' यानी उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम को लेकर सामान्य वर्ग आशंकित है। उसका कहना है कि यह गाइडलाइन निष्पक्ष नहीं है, और इसके जरिए सामान्य वर्ग के छात्रों का उत्पीड़न हो सकता है।

इस मामले में जारी विवादों पर चर्चा से पहले नए नियमों को भी देख लेना चाहिए। नए नियमों में भेदभाव को पूरी तरह अनुचित, पक्षपाती व्यवहार माना गया है। इसके तहत प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष ही नहीं, जाति, धर्म, नस्ल, लिंग, जन्मस्थान, या विकलांगता जैसे आधार पर भी भेदभाव ग़लत माना गया है। इस नियम में शिक्षा में समानता को बाधित करने वाले या मानवीय गरिमा का उल्लंघन करने वाले हर काम को ग़लत माना गया है। इस गाइडलाइन के तहत हर उच्च शिक्षण संस्थान को समान अवसर केंद्र यानी ईओसी स्थापित करना जरूरी होगा। इस केंद्र का उद्देश्य संस्थान में समता, सामाजिक समावेशन एवं समान पहुँच को बढ़ावा देना तो होगा ही, साथ ही शैक्षणिक परिसरों में भेदभाव से संबंधित शिकायतों का समाधान करना भी होगा। इस गाइडलाइन के अनुसार, हर संस्थान को ईओसी के तहत एक समता समिति बनानी होगी, जिसका अध्यक्षता संस्थान का प्रमुख होगा । समिति में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, दिव्यांग व्यक्ति और महिला का प्रतिनिधित्व जरूरी होगा , ताकि समावेशी निर्णय-प्रक्रिया सुनिश्चित हो सके।

सामान्य वर्ग की आशंका की वजह है, पहले से लागू एससी और एसटी कानून, जिसके गलत इस्तेमाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट भी टिप्पणी कर चुका है। उसके तहत बिना वजह झूठे आरोपों के चलते सामान्य जीवन ही नहीं, बल्कि सरकारी दफ्तरों तक में सामान्य वर्ग के लोगों के खिलाफ झूठे मामले दर्ज किए गए हैं और उन्हें बिना वजह प्रताड़ना और गिरफ्तारी तक झेलनी पड़ी है। उसी आलोक में यूजीसी के इस नए नियम का विरोध हो रहा है ।आलोचकों का मानना है कि इस नियम के मुताबिक़ जो इक्विटी कमेटियां' यानी समानता समितियां बनेंगी, वे शायद ही निष्पक्ष रहे। यह भी कहा जा रहा है कि समानता समितियों को इस नियम के तहत जो शक्तियां दी गई गईं हैं, उन्हें सामान्य वर्ग के छात्रों के खिलाफ हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। विरोध कर रहे छात्रों का यह भी कहना है कि अगर कोई गलत शिकायत दर्ज करता है, तो उसे सजा देने का प्रावधान नहीं है, इससे सामान्य वर्ग के छात्रों के लिए असुरक्षित माहौल बन सकता है।

सामान्य वर्ग के बड़ा तबका इस नियम के दुरूपयोग को लेकर आशंकित हो उठा है। इसी आशंका ने वह विक्षुब्ध हो चुका है। उसका मानना है कि ये नियम शिक्षा सुधार के बजाय परिसरों में ना सिर्फ जातिवाद को बढ़ावा देगा, बल्कि सामाजिक विभाजन को भी बढ़ावा मिलेगा। इन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संस्थानों को दंडित किया जा सकता है, जिसके तहत उनकी फंडिंग रोकी जा सकती है, उनका डिग्री देने का अधिकार छीना जा सकता है और गंभीर उल्लंघन की स्थिति में उनकी मान्यता रद्द की जा सकती है।

हालांकि यूजीसी का कहना है कि यह ताजा नियम साल 2012 के उसके भेदभाव-विरोधी ढांचे की व्यवस्था को ही मजबूत करते हैं। यूजीसी का तर्क है कि उसने ये नियम उस आंकड़े के बाद लागू किए हैं, जिनके तहत पता चलता है कि उच्च शिक्षा में जातिगत भेदभाव की शिकायतों में 2019 की तुलना में 2023 में 118.4 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है। वैसे हकीकत यह भी है कि यह निर्णय हैदराबाद विश्वविद्यालय में रोहित वेमुला की आत्महत्या की 10वीं वषर्गांठ और सवीच्च न्यायालय के 2025 के निर्देश के बाद आया है। चूंकि रोहित वेमुला केस को लेकर उस वक्त देश के तमाम केंद्रीय विश्वविद्यालयों के कैंपस का राजनीतिक तापमान बढ़ गया था। तब इस आत्महत्या को बीजेपी विरोधी राजनीतिक ताकतों ने बीजेपी पर हमले के हथियार के रूप में इस्तेमाल किया था तो बीजेपी समथर्कों का मानना था कि इस मामले को बेवजह भेदभाव की राजनीति का रूप दिया गया था। तब सामान्य वर्ग के छात्रों और वोटरों ने इस मुद्दे पर बीजेपी का खुलकर साथ दिया था। इसी वजह से उसे लगता है कि यूजीसी के नए नियमों से ना सिर्फ उसकी उपेक्षा हो रही है, बल्कि उनके हितों की अनदेखी की जा रही है।

एससी-एसटी उत्पीड़न के कानून को चाहे जितना भी समानता लाने वाला माना जाता हो, लेकिन जिस तरह उसके फर्जी इस्तेमाल की घटनाएं बढ़ी हैं, और उसके जरिए जिस तरह सामान्य वर्ग के उत्पीड़न के वाकये बढ़े हैं, उससे सामान्य वर्ग इस कानून का घोर विरोधी हो गया है। सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था के बावजूद नौकरियों और पढ़ाई में आरक्षण की व्यवस्था को लेकर क्षोभ और असंतोष अब भी सामान्य वर्ग में व्याप्त है। इन्हीं संदर्भों में यूजीसी के नए नियमों को लेकर आशंकाएं सामान्य वर्ग में बढ़ी है। सामान्य वर्ग इस नियम के कितना खिलाफ है, इसे समझने के लिए सोशल मीडिया को देखना होगा, जहां #वऋ्रउफ्क्ष्'' (यूजीसी रोलबैक) ट्रेंड करता रहा। सोशल मीडिया पर अब भी सामान्य वर्ग के छात्र इस नियम को अन्यायपूर्ण मानते हुए इसके विरोध में अभियान चला रहे हैं। करणी सेना सहित कुछ संगठन भी इस नियम के विरोध में उतर आए हैं। सवर्ण तबका भारतीय जनता पार्टी का पारंपरिक और निष्ठावान मतदाता है। एससी-एसटी के दुरूपयोग के मामले की सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जब उस पर सवाल उठाए थे तो सामान्य वर्ग के लोगों ने सोचा था कि इस कानून से मुक्ति मिल जाएगी।

हालांकि ऐसा नहीं हुआ। सामान्य वर्ग की जब यह आस टूटी तो निराश भाव से वह चुप रह गया था। यूजीसी के नए नियमों को लेकर सतह पर कोई आंदोलन नहीं दिख रहा। लेकिन लोग अंदर ही अंदर खदबदा रहे हैं। अगर बीजेपी ने इस दिशा में नहीं सोचा तो विपक्षी खेमे से इस आंच को हवा दी जा सकती है। जिसका असर आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल और असम के चुनावों में पड़ सकता है। बीजेपी की ओर से इस विवाद को थामने की सांस्थानिक कोशिश अभी नहीं दिख रही है। हालांकि, इस विवाद को थामने को लेकर भाजपा सांसद निशिकांत दुबे प्रयास करते दिख रहे हैं। उन्होंने सामान्य वर्ग के छात्रों को आश्वासन दिया है कि उन्हें कोई नुकसान नहीं होगा। लेकिन उनका यह आश्वासन काम आता नहीं दिख रहा। उन्होंने एक्स पर लिखा है, ह्लनरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनकर सवर्ण समाज को सवीच्च न्यायालय से मान्यता दिलाकर 10 प्रतिशत आरक्षण दिया, यही सत्य है, उनके रहते सवर्ण जाति के बच्चों को कोई भी नुकसान नहीं होगा।बाबा साहब आंबेडकर के बनाए संविधान के आर्टिकल 14 का अनुपालन संविधान की मूल भावना है।

भारत में करीब 41 करोड़ सवर्ण मतदाता हैं। उत्तर भारत में इसकी बड़ी हिस्सेदारी बीजेपी की समर्थक है। यूजीसी के नियमों को लेकर यही वर्ग विक्षुब्ध भी है। इसी सामान्य वर्ग का मतदाता मौजूदा सत्ता तंत्र पर अपने पारंपरिक समर्थक आधार के चलते ज्यादा अधिकार समझता है। यूजीसी के नियमों से वह गुस्से में तो है, लेकिन अभी खुद को ठगा हुआ महूसूस नहीं कर रहा। उसे उम्मीद है कि मौजूदा सत्ता तंत्र उसकी भी भावनाओं की कद्र जरूर करेगा। हां, अगर ऐसा नहीं हुआ तो उसकी नाराजगी बढ़ सकती है। जिसकी कीमत मौजूदा तंत्र को चुकानी पड़ सकती है।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद

राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता रही है। उससे चौड़ी होती गई खाई अब खुले विभाजन की वजह बन रही है।

साहित्य अकादमी पुरस्कारों पर उठा विवाद भारतीय साहित्य में विभाजन की हद तक पहुंच गया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सात भारतीय भाषाओं के लिए अलग से पुरस्कार शुरू करने का एलान कर दिया है। अपने इस कदम की वजहों को लेकर स्टालिन ने कोई लाग-लपेट नहीं बरता। बल्कि दो टूक कहा- 'कुछ दिन पहले विजेताओं की सूची को अंतिम रूप दिए जाने के बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के दखल पर साहित्य अकादमी पुरस्कारों की घोषणा रद्द कर दी गई। हमें नहीं मालूम कि अब ये घोषणा होगी भी या नहीं। कला और साहित्य में हस्तक्षेप खतरनाक है।

स्टालिन ने कहा कि इस पर रचनात्मक प्रतिक्रिया दिखाते हुए प्रथम चरण में तमिलनाडु सरकार ने तमिल, तेलुगू, कन्नड़, मलयालम, ओड़िसा, बांग्ला और मराठी भाषाओं के लिए हर साल सेमोझी साहित्य पुरस्कार देने का फैसला किया है। डीएमके 2.0 (यानी अगले विधानसभा चुनाव के बाद बनने वाली) सरकार इस पहल को मजबूत एवं विस्तृत करेगी। मतलब शायद यह कि पुरस्कार के दायरे में अन्य भाषाओं को भी लाया जाएगा। फिर भी, फिलहाल भाषाओं का जो चयन किया गया है, उसमें एक पैटर्न साफ दिखा है। इसमें हिंदी को अलग रखने का सियासी पैगाम साफ नजर आता है। यह तो खुद स्टालिन के बयान से स्पष्ट है कि इन पुरस्कारों का भविष्य अप्रैल- मई में होने वाले विधानसभा चुनाव के नतीजों पर निर्भर करेगा। इस रूप में ताजा एलान का चुनावी राजनीति से जुड़ाव भी साफ है।

बहरहाल, मुद्दा यही है कि राष्ट्रीय स्तर पर साहित्य, कला, सिनेमा आदि को राजनीति से जोड़ने की प्रवृति तेजी से बढ़ी है। परिणास्वरूप इन माध्यमों पर एक खास रंग चढ़ता नजर आया है। उसको लेकर दूसरी सोच की राजनीति से जुड़ी ताकतों में असहजता है, यह तो काफी समय से जाहिर हो रहा था। अब खास बात यह हुई है कि वो बढ़ती खाई खुले विभाजन में तब्दील हो गई है। बेशक, ऐसी लामबंदी से साहित्य, कला, सिनेमा आदि के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता के लिए भी चुनौतियां बढ़ती जा रही हैं। मगर आज की यही हकीकत है, जो अब अधिक चिंताजनक रूप ग्रहण कर रही है।

भारत में ही सबसे पहले गणतंत्र था

अशोक प्रवृद्ध

बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर-राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं।ञ ऋग्वेद में 40 बार और अथवर्वेद में 9 बार 'गणइ शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या-बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली-भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे।

गौरव की बात है कि भारत में गणतंत्र की अवधारणा केवल 1950 से शुरू नहीं होती, बल्कि इसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता, वैदिक संस्कृति और इतिहास में बहुत गहराई तक फैली हुई हैं। पूरे विश्व को गणतंत्र का पाठ सबसे पहले इसी धरती से मिला। हमारे ही देश में सर्वप्रथम गणतंत्र स्थापित हुआ, जिसकी सफलता ने संसार का ध्यान अपनी ओर खींचा। ऋग्वेद और अथवर्वेद में गण, सभा और समिति जैसी संस्थाओं का उल्लेख मिलता है, जो लोकतांत्रिक ढंग से निर्णय लेती थीं। 'गणइ शब्द का अर्थ ही जनता का समूह है, जहाँ शासक का चयन योग्यता के आधार पर होता था।

इतिहास के प्रमाण बताते हैं कि बिहार का वैशाली (लिच्छवी गणराज्य) विश्व का पहला सफल गणतंत्र माना जाता है। जब यूनान में नगर-राज्यों की अवधारणा आकार ले रही थी, उससे बहुत पहले भारत में पूरी तरह विकसित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ मौजूद थीं। असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान और भारत विभाजन की पीड़ा के बाद 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ हमारा संविधान आधुनिक भले ही हो, लेकिन उसकी आत्मा में 'वसुधैव कुटुंबकम्इ और 'सर्वे भवन्तु सुखिनःइ जैसी प्राचीन भारतीय भावनाएँ समाई हुई हैं। संविधान निर्माताओं ने पश्चिमी मॉडलों के साथ-साथ भारत की अपनी सांस्कृतिक विरासत और पंचायत परंपरा को भी महत्व दिया।

यह दिन केवल संविधान के लागू होने का उत्सव नहीं है, बल्कि उन अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करने का अवसर भी है, जिन्होंने एक स्वतंत्र और संप्रभु भारत का सपना देखा था।26 जनवरी का यह राष्ट्रीय पर्व हमें याद दिलाता है कि हम एक ऐसी महान परंपरा के उत्तराधिकारी हैं, जिसने दुनिया को लोकतंत्र की दिशा दिखाई। प्राचीन भारतीय ग्रंथों में वर्णित गणतांत्रिक व्यवस्थाएँ यह सिद्ध करती हैं कि भारत में लोकतंत्र कोई आयातित विचार नहीं, बल्कि हमारी अपनी मिट्टी और वेदों की मौलिक देन है। यह भी सच है कि संविधान निर्माताओं ने इस व्यवस्था की प्रेरणा पवित्र वेदवाणी से ही ली।

यह भारतीय गणतांत्रिक परंपरा की ऐतिहासिक जड़ों को उजागर करता है और साबित करता है कि लोकतंत्र और गणतंत्र की अवधारणाएँ भारत में सहस्राब्दियों पहले से मौजूद थीं। संसार के आदिग्रंथ ऋग्वेद में 40 बार और अथवर्वेद में 9 बार 'गणइ शब्द का प्रयोग यह दर्शाता है कि हमारे पूर्वज संख्या-बल और सामूहिक निर्णय की शक्ति को भली-भांति समझते थे। प्राचीन काल की सभा और समिति इस बात का प्रमाण हैं कि प्रजातंत्र के ये दो महत्वपूर्ण स्तंभ उस समय भी सक्रिय थे। समिति आज की संसद या लोकसभा जैसी थी, जहाँ जनता और प्रतिनिधि नीति-निर्धारण के लिए एकत्र होते थे, जबकि सभा राज्यसभा या विद्वत परिषद की तरह कार्य करती थी, जहाँ अनुभवी लोग परामर्श और न्याय का दायित्व निभाते थे।

ऋग्वेद का वह मंत्र, जिसमें एकमत होकर निर्णय लेने की प्रार्थना की गई है, आधुनिक आम-सहमति के सिद्धांत का प्राचीनतम रूप माना जा सकता है। बौद्ध ग्रंथों में भगवान बुद्ध के समय शलाका अर्थात मतपत्र द्वारा मतगणना का उल्लेख मिलता है, जो यह स्पष्ट करता है कि भारत में मतदान की प्रक्रिया अत्यंत विकसित थी। गण और संघ के माध्यम से बहुमत के आधार पर निर्णय लेना हमारी प्रशासनिक कुशलता का प्रतीक था। बाद में कुछ कारणों से व्यवस्था राजतंत्र की ओर मुड़ गई, लेकिन भारत की मूल चेतना हमेशा गणतांत्रिक बनी रही।

आज की पीढ़ी के लिए यह प्राचीन भारतीय गणतांत्रिक व्यवस्था अत्यंत प्रेरक है, क्योंकि अक्सर यह मान लिया जाता है कि लोकतंत्र पश्चिम की देन है। वास्तव में गण से गणतंत्र तक की यात्रा भारत की अपनी यात्रा है। इससे हम 26 जनवरी के वास्तविक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक महत्व को समझ सकते हैं। भारत के प्राचीन राजनीतिक इतिहास और विकसित संवैधानिक ढाँचे यह सिद्ध करते हैं कि आज के युग में भी हमारे लोकतंत्र की सफलता के पीछे सहस्राब्दियों पुरानी सुव्यवस्थित शासन परंपरा है।

फोकस

फिरोज अंसारी ने हॉकी इंडिया लीग के फाइनल में खिलाड़ियों को सम्मानित किया

राजनांदगांव। हॉकी इंडिया लीग (HIL) प्रतियोगिता का आयोजन 03 जनवरी से 26 जनवरी 2026 तक देश के तीन प्रमुख शहरों में किया गया। लीग का प्रथम चरण चेन्नई, दूसरा चरण रांची तथा तीसरा चरण भुवनेश्वर में संपन्न हुआ। हीरो हॉकी इंडिया लीग का फाइनल मुकाबला भुवनेश्वर में वेदांता कलिंगा लांसर्स एवं रांची रॉयल्स के मध्य खेला गया। जिसमें वेदांता कलिंगा लांसर्स ने रांची रॉयल्स को 3-2 से हराकर खिताब जीता। भुवनेश्वर के कलिंगा हॉकी स्टेडियम में हुए इस रोमांचक मुकाबले में कलिंगा लांसर्स ने दूसरी बार चैंपियनशिप अपने नाम की।

इस भव्य फाइनल मुकाबले में उड़ीसा के मुख्यमंत्री मोहन चरण मांझी, हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की, हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ,हॉकी इंडिया के सह सचिव फिरोज अंसारी सहित अन्य अतिथि उपस्थित थे। फाइनल मैच व समापन समारोह के दौरान सभी अतिथियों के उपस्थिति में विजेता व उपविजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की गई साथ ही श्री अंसारी ने हैदराबाद तूफान टीम के गोलकीपर विक्रमजीत सिंह को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'बेस्ट गोलकीपर ऑफ द टूर्नामेंट' के सम्मान से नवाजा। श्री अंसारी द्वारा खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाना छत्तीसगढ़ हॉकी के लिए गौरव और सम्मान का विषय रहा। अंतर्राष्ट्रीय स्तर के इतने बड़े खेल मंच पर छत्तीसगढ़ हॉकी के अध्यक्ष की सहभागिता ने प्रदेश की खेल पहचान को नई ऊँचाई दी है।

महात्मा गांधी की पुण्य तिथि पर नशामुक्ति संकल्प व शपथ दिवस का हुआ आयोजन

खैरागढ़। छत्तीसगढ़ शासन समाज कल्याण विभाग, मंत्रालय महानदी भवन, नवा रायपुर अटल नगर द्वारा जारी निर्देशों तथा कलेक्टर इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल के मार्गदर्शन एवं दिशानिर्देशानुसार महात्मा गांधी की पुण्य तिथि के अवसर पर शुक्रवार को जिले में नशामुक्ति संकल्प एवं शपथ दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के समस्त कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों में नशामुक्त भारत की शपथ दिलाई गई।

कलेक्टर की उपस्थिति में जिला कार्यालय परिसर में महात्मा गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर एवं उनके तैलचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। तत्पश्चात नशे से होने वाले दुष्प्रभावों तथा स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में जानकारी दी गई एवं नशा न करने हेतु उपस्थितजनों को समझाइश दी गई।। अंत में सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को नशामुक्ति का संकल्प एवं शपथ दिलाई गई।

कार्यक्रम में जिला कार्यालय के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। साथ ही जिले के शिक्षा एवं उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत रानी रश्मि देवी महाविद्यालय खैरागढ़, महाविद्यालय छुईखदान, सल्हेवारा, जालबांधा, अतरिया तथा शासकीय कन्या विद्यालय खैरागढ़ में भी नशामुक्ति शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में अपर कलेक्टर सुरेन्द्र कुमार ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर सुमन राज तथा समाज कल्याण विभाग से सहायक संचालक कमलेश कुमार पटेल सहित रामअवतार साहू, राकेश कुमार साहू, हेमंत टंडन एवं अनिल साहू उपस्थित रहे।

पीएम आवास निर्माण में बलौदाबाजार राज्य में अव्वल

बलौदाबाजार- भाटापारा जिले की उपलब्धियों की फेहरिश्त में एक और कामयाबी का शुमार

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण (PMAY-G) केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई एक आवास योजना है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण बेघर नागरिकों को पक्का मकान प्रदान करना है। इस योजना के तहत कच्चे मकानों में रहने वाले या बिना छत वाले परिवारों को पक्के मकान बनाने के लिए आर्थिक सहायता दी जाती है, जिसमें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध होती हैं।

बलौदाबाजार- भाटापारा जिले की उपलब्धियों की फेहरिश्त में एक और कामयाबी शुमार हो गया है। जिले ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) अंतर्गत एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। वर्ष 2025-26 के लक्ष्यों को प्राप्त करने में बलौदाबाजार -भाटापारा जिला पूरे छत्तीसगढ़ राज्य में प्रथम स्थान पर है।

बलौदाबाजार- भाटापारा जिला के कलेक्टर के मार्गदर्शन एवं सीईओ जिला पंचायत के नेतृत्व में जिले ने न केवल आवासों की स्वीकृति में तेजी दिखाई है, बल्कि धरातल पर निर्माण कार्य शुरू करने में भी रिकॉर्ड कायम किया है। वर्ष 2025-26 में कुल 26843 आवास स्वीकृत किया है जिसमें 24 हजार 313 आवासों को प्रथम किश्त जारी, 20 हजार 480 आवास का निर्माण प्रारम्भ हो गया है और 15 हजार 120 आवास प्लिंथ स्तर तक पूर्ण हो गया है।

सर्वाधिक प्लिंथ निर्माण

बलौदाबाजार- भाटापारा जिले में 15 हजार 120 आवासों का प्लिंथ स्तर तक का कार्य पूर्ण हो चुका है, जो राज्य के किसी भी जिले की तुलना में सर्वाधिक है। 26 हजार 439 आवासों का एकटीओ किया जा चुका है जिसमें से 24 हजार 313 हितग्राहियों के खातों में पहली किश्त का सफलतापूर्वक हस्तांतरण किया जा चुका है। कुल स्वीकृत आवासों में से 20 हजार 480 मकानों पर काम शुरू हो जाना एवं 139 आवास पूर्ण प्रशासन की मुस्तैदी और ग्रामीणों के उत्साह को दिखाता है। पीएम जनमन योजना अंतर्गत भी जिला में प्राथमिकता से कार्य कराके 25 पात्र हितग्राहियों का आवास स्वीकृत कर सभी का शतप्रतिशत आवास पूर्ण करा लिया गया है। रेनवाटर हार्वेस्टिंग संरचना निर्माण जिले को जल संरक्षण में देश में द्वितीय पुरुस्कार प्राप्त हुआ है जिसमें प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राहियों का विशेष योगदान रहा है। आवास योजनान्तर्गत पूर्ण आवासों में 15 हजार 260 रेन वाटर हार्वेस्टिंग संरचना का निर्माण कराया गया है। इस उपलब्धि से जिले के हजारों परिवारों का अपने पक्के घर का सपना अब हकीकत में बदल रहा है। यह न केवल ग्रामीण विकास को गति दे रहा है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी पैदा कर रहा है।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से मिली बड़ी राहत तीन किलोवाट सोलर रूफटॉप से रोशन हुआ घर

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की मंशानुरूप प्रत्येक घर को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। यह योजना न केवल आम नागरिकों को बिजली बिल के बोझ से राहत प्रदान कर रही है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

इसी क्रम में शिक्षक नगर, मुंगेली निवासी अवधेश शुक्ला ने अपने आवास की छत पर तीन किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप सिस्टम स्थापित कर योजना का लाभ लिया है। सोलर संयंत्र स्थापना से पूर्व उन्हें प्रतिमाह अधिक बिजली बिल का भुगतान करना पड़ता था, जिससे घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव पड़ रहा था। बढ़ती बिजली दरों को देखते हुए उन्होंने शासन द्वारा संचालित सौर ऊर्जा

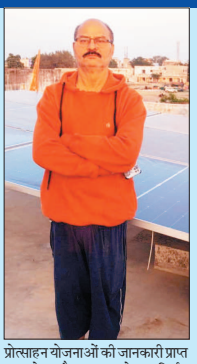

प्रोत्साहन योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सोलर पैनल लगवाने का निर्णय लिया।

तीन किलोवाट का सोलर सिस्टम चालू होने के बाद उनके घर की अधिकांश बिजली आवश्यकता सौर ऊर्जा से पूरी होने लगी है। इसके परिणामस्वरूप उनके मासिक बिजली बिल में उल्लेखनीय कमी आई है। अवधेश शुक्ला ने इस योजना के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सरल प्रक्रिया, अनुदान और जागरूकता के कारण आम नागरिक भी अब सौर ऊर्जा जैसी आधुनिक तकनीक को सहजता से अपना पा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा एक किलोवाट पर 45 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 90 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट क्षमता पर 1 लाख 08 हजार रुपये की सब्सिडी दिए जाने से आमजन के लिए सोलर पैनल स्थापित कराना और अधिक सुगम हो गया है।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बनीं द्रौपती बांधे बनी लखपति दीदी, प्रतिमाह कमा रहीं 50 हजार रुपए

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत बिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में मुंगेली जिले के विकासखण्ड पथरिया अंतर्गत ग्राम बरछा निवासी श्रीमती द्रौपदी बांधे ने बिहान योजना से जुड़कर आत्मनिर्भरता की दिशा में सफलता प्राप्त की है। बिहान योजना के अंतर्गत जय लक्ष्मी महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उनके जीवन में बदलाव की नई शुरुआत हुई। समूह के ध्यान से उन्हें ऋण सुविधा प्राप्त हुई। प्राप्त ऋण राशि का सही उपयोग करते हुए श्रीमती द्रौपदी बांधे ने सब्जी उत्पादन और विक्रय का कार्य प्रारंभ किया। उन्होंने न केवल फसल उगाई, बल्कि उसे बाजार में बेचकर नियमित आय अर्जित करना भी शुरू किया। द्रौपती बांधे ने बताया कि पहले उनकी मासिक आय, जो पहले लगभग 20 हजार रुपए थी, अब बढ़कर 50 हजार रुपए तक पहुँच गई। जिससे वे समय पर ऋण चुकाने में सक्षम हुई और साहूकारों पर निर्भरता समाप्त हो गई। उन्होंने बताया कि समूह से जुड़ने से पहले श्रीमती द्रौपदी बांधे की आर्थिक स्थिति अत्यंत कमजोर थी। परिवार की आय के साधन सीमित थे और रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करना भी कठिन हो जाता था। छोटी-मोटी मजदूरी और अस्थायी कार्यों पर निर्भर रहना पड़ता था। आर्थिक तंगी के कारण उन्हें गाँव के साहूकारों से ऊँचे ब्याज दर पर कर्ज लेना पड़ता था, जिससे उनकी स्थिति और अधिक दयनीय हो जाती थी। परिवार की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण संबंधी जरूरतें पूरी नहीं हो पा रही थीं, लेकिन अब वे पूरी तरह आत्मनिर्भर हो चुकी हैं।

खाटू श्याम फाल्गुन मेला को लेकर सांसद निरंजन बिशी ने नागरिक उड्डयन मंत्री नायडू को लिखा पत्र

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

खाटू श्याम जी के फाल्गुन मेले के दौरान श्रद्धालुओं को हो रही यात्रा संबंधी परेशानियों को लेकर ओडिसा से राज्यसभा सांसद निरंजन बिशी ने भारत सरकार के नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू को पत्र लिखकर रायपुर एवं झारसुगुड़ा से जयपुर के लिए अस्थायी सीधी विमान सेवा शुरू करने की मांग की है।

अपने पत्र में सांसद श्री बिशी ने उल्लेख किया है कि राजस्थान स्थित खाटू श्याम जी मंदिर में आयोजित होने वाला फाल्गुन मेला (20फरवरी से 5 मार्च) देश के प्रमुख धार्मिक आयोजनों में से एक है, जिसमें हर वर्ष देशभर से लाखों श्रद्धालु पहुंचते हैं। पश्चिम ओडिशा और छत्तीसगढ़ से भी बड़ी संख्या में भक्त इस पवित्र धाम की यात्रा करते हैं।

उन्होंने बताया कि बलांगीर, कालाहांडी, नुआपड़ा, संबलपुर, झारसुगुड़ा सहित पश्चिम ओडिशा के जिलों और छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों के श्रद्धालुओं को जयपुर के लिए सीधी हवाई कनेक्टिविटी नहीं होने के कारण भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यात्रियों को या तो अत्यधिक भीड़भाड़ वाली ट्रेनों से यात्रा करनी पड़ती है या फिर दिल्ली जैसे महानगरों से समय लेने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी पड़ती है, जिससे बुजुर्गों, महिलाओं और परिवारों को विशेष रूप से परेशानी होती है।

सांसद निरंजन बिशी ने पत्र में कहा है कि फाल्गुन मेला अवधि के दौरान रायपुर और झारसुगुड़ा से जयपुर के लिए विशेष अथवा अस्थायी सीधी उड़ानें शुरू किए जाने से श्रद्धालुओं को बड़ी राहत मिलेगी। इससे न केवल सुरक्षित और समय-संवेदी यात्रा सुनिश्चित होगी, बल्कि धार्मिक पर्यटन, क्षेत्रीय संपर्क और जन-केंद्रित विमानन सेवाओं को भी बढ़ावा मिलेगा।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह पहल केंद्र सरकार की उड़ान (वऊअठ) योजना, सुगम यात्रा और समावेशी क्षेत्रीय विकास के उद्देश्यों के पूर्णतः अनुरूप है।

अंत में सांसद श्री बिशी ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय से आग्रह किया है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए इस प्रस्ताव की व्यवहारिकता पर विचार कर संबंधित विभागों और एयरलाइंस को आवश्यक निर्देश जारी किए जाएं। उन्होंने विश्वास जताया कि सरकार की सकारात्मक पहल से ओडिशा और छत्तीसगढ़ के लाखों श्रद्धालुओं को लाभ मिलेगा और जन-हितैषी शासन की भावना और सुदृढ़ होगी। राज्यसभा सांसद निरंजन बीसी के इस प्रयास हेतु पश्चिम ओड़िशा के श्याम प्रेमियों ने हर्ष व्यक्त किया है। वहीं श्री श्याम मंदिर ट्रस्ट कांटाभांजी एवं श्री श्याम मंदिर नव युवक संघ, श्याम मित्र मंडल कांटाभांजी, श्याम मित्र मंडल बागोमुंडा, मारवाड़ी युवा मंच विकास शाखा ने सांसद राज्यसभा निरंजन बीसी का आभार व्यक्त किया।

ध्यानाकर्षण

रायपुर व झारसुगुड़ा से जयपुर सीधी फ्लाइट शुरू करने की मांग

श्री रामलला योजना से साकार हुआ दंपती का वर्षों पुराना सपना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की श्री रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना आम नागरिकों की वर्षों पुरानी अभिलाषा को पूरा करने का माध्यम बन रही है। कबीरधाम जिले के ग्राम बबई निवासी डोमन साहू ने बताया कि प्रभु श्रीराम के दर्शन की इच्छा उनके मन में लंबे समय से थी, किंतु आर्थिक एवं पारिवारिक परिस्थितियों के कारण अयोध्या जाना संभव नहीं हो पा रहा था।

प्रभु श्रीराम की कृपा और छत्तीसगढ़ सरकार की सहयोग से उन्हें अपनी पत्नी श्रीमती पार्वती साहू के साथ अयोध्या धाम की यात्रा और रामलला के दर्शन का सौभाग्य मिला, जिसके चलते उनकी वर्षों की इच्छा पूरी हो गई। इस दौरान काशी विश्वनाथ के दर्शन का भी सौभाग्य मिला। कबीरधाम जिले से कुल 71 श्रद्धालु इस पावन यात्रा पर रवाना हुए।

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं के लिए निःशुल्क बस द्वारा कवर्धा से दुर्गरेलवे स्टेशन तक परिवहन की व्यवस्था की गई। इसके पश्चात विशेष ट्रेन से काशी एवं अयोध्या धाम ले जाया गया। यात्रा के दौरान भोजन, नाश्ता, चाय एवं स्वास्थ्य सुविधा हेतु चिकित्सकों की व्यवस्था भी की गई। श्रद्धालुओं ने काशी विश्वनाथ मंदिर एवं अयोध्या धाम में प्रभु श्रीराम के दर्शन कर आत्मिक शांति का अनुभव किया। छत्तीसगढ़ सरकार की यह योजना श्रद्धालुओं के लिए आस्था, सुविधा एवं सम्मान का प्रतीक बन गई है।

किसान ने सिंगहत उपार्जन केंद्र में 166 क्विंटल धान का किया विक्रय

नई दृष्टिबिंदु / एमसीबी

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में लागू की गई तकनीक आधारित डिजिटल धान खरीदी व्यवस्था आज किसानों के भरोसे का मजबूत आधार बन चुकी है। यह व्यवस्था जमीनी स्तर पर कितनी प्रभावी, पारदर्शी और भरोसेमंद है, इसका सशक्त उदाहरण ग्राम ठग्गांव निवासी किसान शेषमन के अनुभव से स्पष्ट रूप से सामने आता है।

किसान शेषमन ने सिंघत उपार्जन केंद्र में कुल 166 क्विंटल धान का सफलतापूर्वक विक्रय किया। शासन द्वारा निर्धारित ?3100 प्रति क्विंटल के समर्थन मूल्य के

अंतर्गत उन्हें अपनी संपूर्ण उपज का उचित एवं लाभकारी मूल्य प्राप्त हुआ। धान विक्रय की पूरी प्रक्रिया सरल, पारदर्शी और पूर्णतः समयबद्ध रही, जिससे किसान को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। धान विक्रय हेतु किसान शेषमन का टोकन ऑफलाइन माध्यम से जारी किया गया था। इसके बावजूद उपार्जन केंद्र में सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित रहीं। यह इस बात का प्रमाण है कि डिजिटल प्रणाली के साथ-साथ उन किसानों के लिए भी प्रभावी वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, जो ऑनलाइन प्रक्रियाओं से पूर्णतः सहज नहीं हैं।

उपार्जन केंद्र में किसानों के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था, पेयजल सहित अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई थीं। डिजिटल कांटे से सटीक तौल, सुव्यवस्थित भुगतान प्रक्रिया तथा भीड़-भाड़ से मुक्त वातावरण ने पूरी व्यवस्था को अत्यंत भरोसेमंद और किसान-हितैषी बनाया। अपने अनुभव साझा करते हुए किसान शेषमन ने बताया कि पूर्व वर्षों में धान विक्रय के दौरान अनिश्चितता और भुगतान में देरी आम समस्या थी, किंतु इस वर्ष लागू की गई तकनीक आधारित डिजिटल व्यवस्था से उन्हें मानसिक और आर्थिक दोनों स्तरों पर राहत मिली है। छत्तीसगढ़ शासन की डिजिटल धान खरीदी प्रणाली आज पारदर्शिता, विश्वास और सुशासन का सशक्त उदाहरण बनकर उभर रही है, जो किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव का प्रभावी माध्यम सिद्ध हो रही है।

बायोफ्लॉक तकनीक से समृद्ध हो रहे किसान कैलाश

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ शासन की किसान-हितैषी योजनाएं एवं आधुनिक तकनीकों के प्रभावी क्रियान्वयन से ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार और आय में वृद्धि नये अवसर सुलभ हो रहे हैं। सरगुजा जिले के बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम माजा निवासी श्री कैलाश पैकरा इसके उदाहरण हैं, जिन्होंने बायोफ्लॉक तकनीक को अपनाकर खेती के साथ-साथ मत्स्य पालन में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

श्री कैलाश पैकरा पारंपरिक रूप से धान की खेती करते थे, किंतु अधिक आय के उद्देश्य से उन्होंने मत्स्य विभाग से संपर्क कर शासन की बायोफ्लॉक योजना का लाभ लिया। इस योजना के अंतर्गत उन्होंने

लगभग 14 लाख रुपये की लागत से मत्स्य पालन की शुरूआत की, जिसमें उन्हें 8 l40 लाख रुपये का अनुदान मिला। उन्होंने अपने 3232 डिसमिल क्षेत्र में आधुनिक तालाब एवं बायोफ्लॉक सिस्टम विकसित किया।

बायोफ्लॉक तकनीक में कम पानी और सीमित स्थान में अधिक मत्स्य उत्पादन होता है। वर्तमान में उनके फार्म में लगभग 10 हजार मछलियां हैं, जिनमें करीब 7 हजार तिलपिया के अतिरिक्त रोहू, कतला, मृगल एवं रूपचंद जैसी प्रजातियां शामिल हैं। प्राकृतिक प्रजनन के कारण उत्पादन में निरंतर वृद्धि हो रही है, जिससे उन्हें वर्षभर नियमित आय प्राप्त हो रही है।

श्री पैकरा ने बताया कि मछलियों के विपणन के लिए उन्हें बाजार जाने की आवश्यकता नहीं पड़ती, व्यापारी स्वयं फार्म पर पहुंचकर मछलियां खरीद लेते हैं। थोक में 150 से 160 रुपये प्रति किलोग्राम तथा फुटकर में 150 से 200 रुपये प्रति किलोग्राम तक मूल्य प्राप्त हो रहा है।

श्री कैलाश पैकरा ने इस उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि शासन की योजनाओं ने उन्हें आत्मनिर्भर बनाया है। उनकी सफलता से क्षेत्र के अन्य किसान भी आधुनिक मत्स्य पालन तकनीकों को अपनाने के लिए प्रेरित हो रहे हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिल रही है।

जानकारी

शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं

रानी रश्मि देवी सिंह कॉलेज के विद्यार्थियों को पालिटेक्निक कालेज का कराया भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

रानी रश्मि देवी सिंह शासकीय महाविद्यालय भौतिक एवं गणित विभाग के विद्यार्थियों को एनएपी 2020 के तहत विद्यार्थियों के सर्वांगीण एवं चहुमुखी विकास हेतु बुधवार 28 जनवरी को प्राचार्य डॉ. ओपी गुप्ता एवं डॉ. जितेन्द्र कुमार साकरे के मार्गदर्शन में आईक्यूएसी प्रभारी सृष्टि वर्मा, भौतिक विभाग के प्राध्यापक विकास कुमार एवं गणित विभाग की प्राध्यापिका खुशबु सिन्हा के सहयोग से एक दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिये शासकीय पॉलीटेक्नीक कॉलेज खैरागढ ले जाया गया।

पॉलिटेक्निक कॉलेज खैरागढ़ पहुँचने पर विद्यार्थियों का वहाँ के प्राचार्य शंकर वराटे

द्वारा स्वागत किया गया। इसके पश्चात विद्यार्थियों को विभिन्न समूहों में विभाजित कर संबंधित विभागों के प्राध्यापकों द्वारा जानकारी दी गई। प्रत्येक विभाग के प्राध्यापक ने अपने-अपने विभाग की कार्यप्रणाली, प्रयोगशालाओं, मशीनों, उपकरणों एवं तकनीकी प्रक्रियाओं की व्यावहारिक जानकारी देकर प्रत्यक्ष रूप से समझाया और दिखाया।

इस दौरान विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा में विज्ञान के उपयोग, मशीनों के संचालन में गणनाओं की भूमिका तथा औद्योगिक क्षेत्र में विज्ञान के महत्त्व की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे, जिनका समाधान पॉलिटेक्निक कॉलेज के विभागीय प्राध्यापकों बलवंत सिंह , अश्वनि यादव , गजेंद्र देवांगन, संतोष कुमार सत्यवंशी ,पालेश्वर पटेल , इरफान खान, प्रकाशचंद खरे , एवं सुरेन्द्र सिंहानी द्वारा सरल एवं प्रभावी ढंग से किया गया। विद्यार्थी कॉलेज के विभीन्न विभागों जैसे मेटलर्जी में धातुओं के गुणवत्ता एवं उसके इंजीनियरिंग में उपयोग , इलेक्ट्रीकल विभाग में विद्युत के जनरेशन, ट्रांशमीशन एवं डिस्ट्रीब्युशन के बारे में अच्छे से जाना । वहीं कम्प्युटर विभाग में साइबर सुरक्षा एवं एआई के बारे में जाना ।

भ्रमण पर ले जाने वाले शिक्षक ने बताया कि इस प्रकार के शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में सहायक होते हैं। इससे विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यक्षेत्र की समझ मिलती है तथा भविष्य में उच्च शिक्षा एवं करियर चयन में सहायता प्राप्त होती है। शैक्षणिक भ्रमण के अंत में विद्यार्थियों ने इस भ्रमण को अत्यंत ज्ञानवर्धक, उपयोगी एवं प्रेरणादायक बताया तथा रानी रश्मि देवी कॉलेज के प्राचार्य, शिक्षक एवं पॉलिटेक्निक कॉलेज खैरागढ़ के प्राध्यापकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री साय ने महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें किया नमन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महात्मा गांधी की 30 जनवरी को पुण्यतिथि के अवसर पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए नमन किया है। इस अवसर पर उन्होंने शहीद दिवस पर देश की आजादी के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले समस्त अमर शहीदों को भी श्रद्धासुमन अर्पित किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शहीद दिवस हमें उन महान स्वतंत्रता सेनानियों और क्रांतिकारियों के अदम्य साहस, त्याग और बलिदान का स्मरण कराता है, जिनके कारण आज हम स्वतंत्र भारत में स्वाभिमान के साथ जीवन जी रहे हैं।

जोक्स

रक्तदान
पति (पत्नी से): कहां गई थी ?
पत्नी: रक्तदान करने।
पतिः पीते-पीते ओवर फ्लो हो गया है,
जो अब बांटने भी लगी हो।

मौका
पप्पूः जानता है सगाई और शादी के बीच में थोड़ा समय क्यों रखा जाता है?
टीटूः क्यों ?
पप्पूः ताकि कोई ये न कह सके कि
मुझे दुर्घटना से बचने का मौका नहीं दिया गया।

भरोसा
सासः मुझे पूरा भरोसा है, तुम किचन संभाल लोगी, बहू किचन में गई और कुछ टूटने की जोरदार आवाज आई।
सासः क्या तोड़ दिया बहू?
बहूः आपका भरोसा।

कीमत
बेटाः मम्मी, तुम्हारे लिए मेरी क्या कीमत है?
मांः बेटा तू तो करोड़ों का है।
बेटाः तो उसी करोड़ों मे से 25,000 रुपये देना, गोवा घूमने जाना है।
फिर मां ने की चप्पलों की बरसात।

लोगों को भ्रम
पत्नीः जब मैं गाने लगती हूं तो आप गैलरी में क्यों चले जाते हो?
पतिः ताकि लोगों को भ्रम ना हो कि
मैं तुम्हारा गला दबा रहा हूं।

लघु कथा

जब विपत्ति आए
बनारस के किसी मोहल्ले में एक लम्बी गली थी। गली के किनारे पर एक बड़ा सा पीपल का पेड़ था। उस पर बंदरों का जत्था रहता था। आते जाते राहगीरों को बन्दर बहुत परेशान करते थे। यहां तक कि मौका पाकर वहां से गुजरते राहगीरों से खाने पीने की चीजें भी छीनकर पेड़ पर चढ़ जाते थे।

एक बार स्वामी विवेकानन्द बनारस की उस गली से हो कर गुजर रहे थे। तभी पेड़ से एक मोटा ताजा शरारती बन्दर उतरा और उनके पीछे खों खों करते हुये दौड़ा। स्वामी जी बंदर के हावभाव को देखकर डर गये और उससे बचने के लिये आगे भागने लगे। बन्दर भी उन्हें खदेड़ता पीछे लगा रहा। एक साधारण सा व्यक्ति स्वामी जी को इस तरह डरकर भागते हुए देखकर जोर से बोला - स्वामी जी, आप भाग क्यों रहे हैं, रुककर उसका मुकाबला कीजिये।

व्यक्ति की बात सुनकर स्वामी जी के दौड़ते कदम एक दम रूक गये। वे पीछे मुड़े और बन्दर का मुकाबला करने के लिये दृढ़ता से खड़े हो गये।

अब तो बन्दर की हिम्मत भी टूट गई। जब तक स्वामी जी डर कर भाग रहे थे तभी तक वह उनका पीछा कर रहा था। उन्हें मुकाबले के लिये खड़ा देखकर बन्दर घबरा गया और वापस भाग खड़ा हुआ।

इस घटना के विषय में स्वामी जी ने अपनी एक पुस्तक में लिखा है कि इस घटना का मेरे ऊपर बहुत ही गहरा प्रभाव पड़ा। उस साधारण से व्यक्ति की असाधारण प्रेरणा ने मुझे एक बहुत बड़ी सीख प्रदान की कि जब कभी भी जीवन में विपत्तियां आएं और जीवन पर खतरा मंडराने लगे तो मनुष्य को चाहिये कि भागने की कभी न सोचे बल्कि दृढ़ता से परिस्थिति का मुकाबला करें।

पलायनवादी प्रवृत्ति से तो आती विपत्तियां और भी प्रबल हो जायेंगी और असफलता की ओर ढकेल देंगी।

बच्चों की बुरी आदतें कैसे छुड़ाएं

नाक में अंगुली डालना, नाखून काटना, होंठ चबाना, बार-बार रोना। बच्चों की बहुत सी इस तरह की आदतें बढ़ती उम्र के साथ खुद ही कम हो जाती हैं, लेकिन कई बार अगर बच्चा दूसरी बातों से ध्यान हटाकर किसी एक ही आदत में पड़ा रहे तो इसके लिए फिक्र करने की जरूरत होती है। ऐसी कौन सी आदतें हैं आइये जानें-

खाने से मना करना
बच्चे खाने को लेकर बेहद चूजी होते हैं। किसी को हरी सब्जी पसंद नहीं होती तो कोई बच्चा सिर्फ दही ही खाना चाहता है। किसी को हर चीज के साथ टैमेटो कैचअप चाहिए तो कोई खाने की प्लेट को सामने रखकर पूरा समय कुछ नहीं खाता।

क्या करें
वैसे तो बच्चों की खाने पीने को लेकर अपनी पसंद नापसंद होती है। उम्र बढ़ने के साथ-साथ बच्चे के खाने की आदतों में बदलाव आ जाता है। इसके लिए उसे अकेले बिठाकर खाना देने की बजाय पूरे परिवार के साथ खाने की आदत बनानी चाहिए ताकि दूसरों के साथ बातचीत में उसे खाने का भी मजा आये। उसे थोड़ा खाना परोसें और जब वह न खाना चाहे तो उसे जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चे को स्नैक्स कम से कम दें। लेकिन अगर टीनएज में पहुंचकर भी बच्चा खाने की आदतों में बदलाव न करे तो इसे गंभीरता से लेना चाहिए।

दूसरों से मारपीट करना, थूकना
इस तरह की आदत चार पांच साल के बच्चों में देखने को मिलती है। अगर वह किसी से लड़ाई करे, उसके बाल खींचे तो उसे सख्ती से ऐसा करने के लिए मना करें वरना बड़े होकर भी उसकी यह आदत उसका पीछा नहीं छोड़ेगी। बच्चे की इस आदत पर ओवर रिएक्ट भी न करें। यदि वह बार बार थूकता है तो उसके बर्ताव को समझने की कोशिश करें। अगर वह बेवजह दूसरे बच्चों के साथ मारपीट करता है तो इसे गंभीरता से लें।

सांस रोकना
कुछ बच्चे गुस्से में या रोने के दौरान अपनी सांस रोक लेते हैं, जिससे उनका चेहरा नीला पड़ जाता है। हालांकि यह आदत अपने आप खत्म हो जाती है। बच्चा अगर सांस रोक ले तो उसे जोर से हिलाएं, क्योंकि इससे ब्रेन डैमेज हो सकता है। लेकिन इस पर ऐसे भी ओवर रिएक्ट न करें, क्योंकि इससे बच्चा आपको इमोशनली ब्लैकमेल कर सकता है। अगर वह जानबूझकर बार-बार ऐसा करता है तो उसके साथ सख्ती से पेश आएं और उसे जता दें कि आपको उसकी यह हरकत बिल्कुल पसंद नहीं।

झूठ बोलना
बच्चे अकसर डांट खाने के डर से झूठ बोलते हैं। पेरेंट्स अगर उनके साथ सख्ती बरतते हैं तो वे धीरे-धीरे झूठ बोलना सीख जाते हैं। कई बार बच्चे पेरेंट्स का ध्यान आकर्षित करने के लिए भी झूठ बोलते हैं। अगर वह झूठ बोलता है उसकी तह तक जाने की कोशिश करें। खराब पर्फोर्मेंस, असुरक्षा, आत्मविश्वास की कमी के कारण भी वे ऐसा कर सकता है।

नाखून चबाना, नाक में अंगुली डालना
दिमागी रूप से परेशान होने पर बच्चे नाखून चबाते हैं या अपने बालों को बार-बार खींचते हैं या नाक में अंगुली डालते हैं।

क्या करें
डांट डपट से उनकी इस आदत को सुधारा नहीं जा सकता। बच्चे पर किसी तरह का मानसिक दबाव तो नहीं है? क्या उसे बात-बात पर टोका जाता है? उससे ज्यादा अपेक्षाएं रखने की वजह से वे चिंतित रहने लगता है और ऐसा कर सकता है। बच्चा अगर अपने बाल जोर से खींचता है और बाल टूटकर हाथ में आ जाते हैं तो समझिये कि वह इमोशनली इनसिक्योर है।

अंगूठा चूसना
अंगूठा चूसने की आदत बच्चों में पैदाइशी होती है। मनोचिकित्सक इसे मां की लापरवाही से भी जोड़कर देखते हैं। बच्चे को छोटेपन में भूख लगने पर उसे जल्दी दूध न देना, उसे लंबे समय तक भूखे रखने के कारण वह अपने हाथो की एक अंगुली या सारी अंगुलियों को ही मुंह में डालने लगता है और धीरे-धीरे उसकी यह आदत बन जाती है। चार पांच साल तक यह खुद खत्म हो जाती है, लेकिन थकान, असुरक्षा या बोर होने के कारण भी बच्चे अंगूठा चूसते हैं।

बड़े काम का है इंडियन बोरेज

अगर आपके घर में बच्चे हैं, तो आपको घर पर इंडियन बोरेज जरूर उगाना चाहिए। आयुर्वेद की नजर से देखें तो यह सामान्य सी जड़ी बूटी कई दर्जन बीमारियों के लिए घरेलू दवा का काम करती है। इंडियन बोरेज को तमिल में करपूरावल्ली और हिंदी में पत्थर चूर कहते हैं। हरे, मोटे और गदबदे पत्तों वाली यह जड़ी बूटी गर्मियों में होने वाली एलर्जी, फ्लू, श्वांस संबंधी परेशानियों और सर्दी लग जाने पर बहुत फायदेमंद है।

इसे उगाना है आसान
इसे बहुत आसानी से घर के किसी भी कोने या गमले में उगाया जा सकता है। इसके पौधे की किसी परिपक्व टहनी को कटिंग करके भी इसे विकसित किया जा सकता है। इंडियन बोरेज एक ऐसी जड़ी बूटी है जो हाल के सालों में पूरी दुनिया में बहुत मशहूर हुई है। आयुर्वेद में सदियों से इसके उपयोग के संबंधित नुस्खे हैं।

अगर बुखार आ रहा हो
अगर बच्चों को बुखार आ रहा हो तो एक चम्मच इंडियन बोरेज के जूस को पानी में मिलाकर पिला देना चाहिए। इससे बुखार उतर जाता है। अगर वयस्क को बुखार हो तो दो बड़े चम्मच बोरेज का जूस पीने से बुखार उतर जाता है। कई लोगों में छाती में बलगम जमा हो जाता है, उससे छुटकारा पाने में इंडियन बोरेज बहुत कारगर है। इसके लिए इसकी पत्तियों को पांच मिनट तक पानी में उबालना चाहिए, फिर उस काढ़े को हल्का गुनगुना रहते हुए पी लेना चाहिए।

एक दो नहीं दर्जनों उपयोग हैं
इंडियन बोरेज या मैक्सिकन पुदीना एक ऐसी जड़ी-बूटी है, जिसके दर्जनों उपयोग हैं, इसलिए माना जाता है अगर घर में बच्चे हों तो बोरेज भी होना चाहिए। इंडियन बोरेज बहुत कम देखरेख में आसानी से पैदा हो जाती है। इसका पौधा बिना कोई न नुकुर किए आराम से उगता है और इसके तने की कटिंग भी आसानी से लग जाती है। अर्ध छायादार और शुष्क वातावरण इसकी बढ़त के अनुकूल होता है। इसका उपयोग कई रूप में होता है। इसकी पत्तियां, इसका अर्क, सब कुछ उपयोगी है। अगर बारिश के दिनों में घर में निकल आये कीड़े ने किसी को काट लिया है तो इसकी पत्तियों से निकले रस को स्किन में लगा देना चाहिए, जिससे कीड़े मकोड़े के काटने का सारा असर कुछ ही घंटों में दूर हो जाता है।

वजन घटाना है तो ये गलतियां न करें

जो लोग अपना वजन घटाना चाहते हैं और इसके लिए वर्कआउट और डाइटिंग भी करते हैं, लेकिन इसके बावजूद उनका वजन कम नहीं होता। इस बात से उन्हें बहुत निराशा होती है। दरअसल ये लोग कुछ ऐसी गलतियां करते हैं, जो उनके वेट लॉस प्रोग्राम को असफल बनाती हैं। क्या है वे गलतियां, आइये जानें

पानी कम पीना या खाने के साथ पानी पीना
खाने के साथ पानी पीने से अपच और मोटापा होता है। कम पानी पीने से पाचनक्रिया पर बुरा असर होता है और शरीर में वसा अधिक जमने के कारण मेटाबॉलिज्म के स्तर में भी वृद्धि होती है।

मुंह चलाना
घर से बाहर या ऑफिस से लौटकर आने के बाद हमें भूख लगती है और अपनी भूख को शांत करने के लिए हमें जो मिल जाए हम वही खा लेते हैं। बिस्किट, नमकीन, मिठाई, काजू। अगर हम इन्हें लगातार थोड़ा-थोड़ा भी खाएं तो कैलोरीज काफी ज्यादा हो जाती हैं, इसलिए अगर वजन घटाना चाहते हैं तो अपनी डाइट डायरी मेंटेन करें और उसी के अनुसार खाएं।

कृत्रिम स्वीटनर्स का प्रयोग
वजन घटाने के लिए अकसर लोग कृत्रिम स्वीटनर्स का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इसका ज्यादा इस्तेमाल उनके वजन घटाने के प्रोग्राम को असफल बना देता है। एक डाइट ड्रिंक में इतनी ज्यादा मिठास होती है कि वह पूरे दिन के लिए पर्याप्त होती है। इससे ज्यादा मिठास मेटाबॉलिक पर बुरा असर डालती है।

ज्यादा मीठी चीजें खाना
डाइटिंग के लिए भले ही चाय और काफी में मीठा डालने की बजाय फीका लिया जाए लेकिन माउथ फ्रेशनेस च्विंगम, चूरन, कैचअप, फ्रूट जूस में इस्तेमाल होने वाली चीनी भले स्वाद में मीठी न लगे लेकिन यह वजन जरूर बढ़ाती है।

डाइट प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल
जो लोग डाइट प्रोडक्ट्स लेते हैं, वे इसे ज्यादा लेने के कारण अपने डाइट प्लान को गड़बड़ कर देते हैं। इसलिए डाइट प्रोडक्ट्स का कम इस्तेमाल करें।

पूरे दिन भूखा रहना और रात के समय ज्यादा खाना : यह एक बहुत बड़ी गलती होती है। दिन के समय जब हम एक्टिव होते हैं तो हमारा मेटाबॉलिज्म भोजन को पचाने और एनर्जी देने का काम करता है। रात के समय मेटाबॉलिज्म के स्तर में कमी आ जाती है। दिन के समय खाया गया भोजन हमारी मांसपेशियों को एनर्जी देता है और यह एनर्जी बाद में वसा के रूप में हमारे शरीर में संग्रहित हो जाती है। अगर आप वजन कम करना चाहते है, तो बेहतर है कि रात की बजाय दिन के समय खाएं।

प्लांट नर्सरी में थोड़ा लगाकर ज्यादा कमाएं

नर्सरी लगाकर छोटी जोत और सीमित संसाधन वाले किसान अपनी आजीविका चला सकते हैं। इसमें किसानों को बहुत ज्यादा पैसा खर्च नहीं करना पड़ता, क्योंकि नर्सरी स्थापित करने के लिए बहुत कम जमीन की आवश्यकता होती है। एक बीघे से एक एकड़ तक अच्छी नर्सरी लगायी जा सकती है। किसानों को नर्सरी बनाने के लिए विभिन्न बैंक और राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड गमलों के लिए ऋण भी देती है।

जिस प्रकार किसान नर्सरी स्थापित करके स्वरोजगार के द्वारा अपनी आजीविका कमा सकते हैं, ठीक इसी तरह यदि आपका गार्डन बड़ा है तो आप भी उसमें एक नर्सरी बना सकते हैं, जिसे बनाना बहुत आसान है। इस नर्सरी में बीजों और कटिंग्स द्वारा नये पौधे तैयार किये जा सकते हैं। छोटे पेड़ों से बड़े पौधा की पौध तैयार की जा सकती है। आजकल सजावटी इंडोर प्लांट्स की हर जगह बहुत मांग है। इन्हें आप अपने गार्डन की नर्सरी में ही उगाकर बेच सकते हैं या अपने दोस्तों या दूसरे लोगों को उपहार दे सकते हैं।

स्थान का चयन
यदि आपके पास जगह है तो आप अपने सब्जियों के बाग को ही छोटी सी नर्सरी में तब्दील कर सकते हैं। किसी छायादार स्थान का चयन करके ऐसी जगह पर नर्सरी बनाएं जहां पानी आसानी से उपलब्ध हो। छोटे-छोटे कंटेनरों में बीज डालकर या बड़ी ट्रे में इनकी पौध तैयार करें। कई बार बीजारोपण के समय ही कंटेनर में खरपतवार उगने से बीजों के अंकुरण में मुश्किल होने लगती है।

छोटे पौधे सस्ता विकल्प
12 मासी फूलों के पौधे, झाड़ियां और छोटे पेड़ों के पौधे बड़े पौधों की तुलना में सस्ते होते हैं, लेकिन इन्हें सीधे जमीन में रोपने से कई बार ये बढ़ नहीं पाते। इन्हें नर्सरी में एक या दो साल कंटेनर में लगाकर रख दिया जाए तो यह उसी में अच्छी वृद्धि करते हैं और बाद में इन्हें जमीन में रोपा जा सकता है।

प्लांट पर लेबल लगाएं
नर्सरी में यदि आप बीजारोपण या कटिंग द्वारा किसी पौधे को बड़ा कर रहे हैं तो कंटेनर या ट्रे पर उनकी लेबलिंग करें, इन पर प्लास्टिक लगाकर टैग लगाएं। टैग को पौधे की टहनी से बांधें ताकि यह स्थायी रूप से बने रहें। इन पर पक्की स्याही से लेबलिंग करें।

बिजनेस प्लान बनाएं
यदि आपके गार्डन में स्पेस ज्यादा है और आप नर्सरी को धीरे-धीरे और बड़ा करने के लिए सोच रहे हैं तो इससे आप अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। इसके लिए पहले एक निश्चित कार्य योजना बनाएं कि आपके पौधों को आप किस प्रकार बेचेगें। क्या आप उन्हें नर्सरी के भीतर ही दिखाकर इन्हें सेल करेंगे या ग्राहकों के लिए अलग से जगह बनाकर छोटे-छोटे पोट्स में उन्हें डिस्प्ले करेंगे।

नर्सरी उपकरण
यदि आपके पास अपने गार्डन में पहले ही काफी प्लांट्स हैं और आप उनके सही देखरेख कर रहे हैं तो इसके लिए जिन उपकरणों की जरूरत है क्या वो आपके पास हैं? यदि आप अपनी नर्सरी को विस्तार देना चाहते हैं तो क्या आपको नये उपकरणों की जरूरत होगी? नर्सरी के छोटे-बड़े पौधों को कीड़ों, मकौड़ों और बीमारियों से बचाने के लिए पहले से प्लानिंग करनी होगी। अपने आसपास बड़ी नर्सरियों और बीज और प्लांट सप्लायर से भी आप कंटेनर, रूट कटिंग्स और दूसरी अन्य चीजें खरीद सकते हैं। नर्सरी के लिए फर्टिलाइजर और मिट्टी के लिए सस्ते विकल्पों को तलाशें।

पानी की व्यवस्था

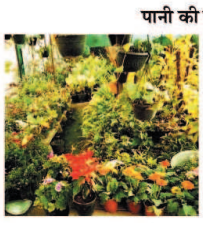

अपनी नर्सरी के साइज के अनुसार ग्रीन हाउस तैयार करने के बाद वहां पानी का भी सही इंतजाम होना जरूरी है। एक बड़े लंबे पाइप के द्वारा नर्सरी में पौधों को पानी दिया जा सकता है। उन्हें ड्रिप या स्प्रिंगलर द्वारा पानी देने की व्यवस्था करें। जमीन को नर्सरी लगाने से पहले समतल करना जरूरी है ताकि वहां वॉटर लॉगिंग की समस्या न हो।

छत्तीसगढ़ में बजट से पहले उद्योग जगत में भरोसे की लहर, व्यापार बनेगा आर्थिक हब

जब व्यापारी बोले, तब नीति बदले — आत्मनिर्भर भारत की ओर ठोस कदम

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न केंद्रीय बजट से पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर छत्तीसगढ़ के व्यापारियों एवं उद्योगपतियों की राय जानने के उद्देश्य से छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री कार्यालय में किया गया।

इस बैठक का नेतृत्व चेम्बर के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने किया। बैठक में भिलाई सहित आसपास के व्यापारियों एवं उद्यमियों में बजट पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। सभी व्यापारियों ने खुलकर अपने सुझाव, अपेक्षाएँ एवं अनुभव साझा किए। अजय भसीन ने कहा प्रदेश महामंत्री अजय भसीन ने अपने संबोधन में कहा कि बजट पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण व्यापारियों और उद्योगपतियों की वास्तविक समस्याओं को सरकार तक पहुँचाने का सशक्त माध्यम है। छत्तीसगढ़ के व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं और अब समय आ गया है कि उनकी अपेक्षाओं को नीति निर्माण में गंभीरता से शामिल किया जाए।

इसी तारतम्य में अजय भसीन ने कहा कि टैक्स सरलीकरण, टरटए को आसान ऋण, स्थानीय उद्योगों को संरक्षण, डिजिटल व्यापार में सहूलियत और रोजगार सृजन जैसे विषयों पर चेम्बर सरकार को ठोस सुझाव देगा। भिलाई चेम्बर अध्यक्ष गर्गीशंकर मिश्रा ने रखी व्यापारियों की बात बैठक में भिलाई चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष गर्गीशंकर मिश्रा ने कहा कि भिलाई क्षेत्र के व्यापारी उद्योग-अनुकूल नीतियों की अपेक्षा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय व्यापार को बढ़ावा

देने, लॉजिस्टिक लागत कम करने और टैक्स से जुड़े व्यावहारिक मुद्दों के समाधान की आवश्यकता है।

स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे ने स्वदेशी व GDP पर जोर दिया बैठक में स्वावलंबी भारत अभियान, छत्तीसगढ़ के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। उन्होंने अपने विचार रखते हुए कहा कि देश की GDP को मजबूत करने के लिए स्वदेशी उद्योगों, स्थानीय उत्पादन और छोटे उद्यमों को प्राथमिकता देना आवश्यक है। आत्मनिर्भर भारत तभी साकार होगा जब गाँव, कस्बे और शहरों के छोटे-मध्यम उद्यम मजबूत होंगे। संजय चौबे ने आगे कहा कि बजट में स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ, स्थानीय स्टार्टअप्स को समर्थन और कौशल विकास पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। भिलाई चेम्बर चेयरमैन दिनकर बासोतिया का आशावादी दृष्टिकोण बैठक में भिलाई चेम्बर चेयरमैन दिनकर बासोतिया ने कहा कि आने वाला समय पूरी तरह उद्योग और व्यापार जगत का है।

इसी कड़ी में स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे ने कहा की यदि नीतियाँ सही दिशा में बनीं, तो छत्तीसगढ़ औद्योगिक विकास का बड़ा केंद्र बन सकता है।ह्नउन्होंने कहा कि व्यापारियों को भी नए अवसरों के अनुरूप स्वयं को तैयार करना होगा। व्यापारियों ने दिए व्यावहारिक सुझाव बैठक के दौरान व्यापारियों ने GST सरलीकरण, ब्याज दरों में राहत, स्टार्टअप एवं टरट्ए के लिए विशेष पैकेज, स्थानीय उद्योगों के लिए प्राथमिकता और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे विषयों पर सुझाव दिए। बैठक का उद्देश्य बजट पूर्व आर्थिक सर्वेक्षण के माध्यम से व्यापारियों की सामूहिक आवाज सरकार तक पहुँचाना रहा।

बैठक में यह स्पष्ट संदेश गया कि व्यापार, उद्योग और स्वदेशी सोच के बिना मजबूत भारत की कल्पना संभव नहीं है। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश महामंत्री अजय भसीन , भिलाई इकाई अध्यक्ष गार्गी शंकर मिश्रा, संजय चौबे प्रांत सह समन्वयक स्वावलंबी भारत अभियान छत्तीसगढ़ प्रांत, श्रीमती सुमन कन्नोजे, श्रीमती सविता शर्मा, टीना सतपुते, राकेश मल्होत्रा,रितेश अग्रवाल, मनोज आहूजा, रामराव, ओमप्रकाश शर्मा, दिलीप केशरवानी, मनोहर कृष्णानी, घनश्याम दास, सुनील मिश्रा, सतीश सहित अन्य व्यापारी शामिल रहे।

खास खबर

श्रीराम कथा में शामिल हुई विधायक यशोदा वर्मा

खैरागढ । विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक यशोदा नीलांबर वर्मा ग्राम अवेली में आयोजित भव्य श्रीराम कथा समारोह में सम्मिलित हुईं। इस अवसर पर उन्होंने प्रभु श्रीराम की पूजा-अर्चना कर क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा।

नगर निगम निगम से अधीक्षण अभियंता हुए सेवानिवृत्त

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई में कार्यरत अधीक्षण अभियंता दीपक जोशी के 62 वर्ष की अवधि पूर्ण एवं सेवानिवृत्त होने पर बिदाई दी गई। इस अवसर पर मुख्य अभीयंता भागीरथ वर्मा, उप अभियंता दीपक जोशी एवं अन्य कमचारियों की उपस्थिति में श्रीफल और पुष्प-गुच्छ देकर सम्मानित किया गया।

ढिमरीकुंआ में 'मनरेगा बचाओ संग्राम' ; विधायक यशोदा वर्मा ने किसानों और मजदूरों के हक में किया धरना प्रदर्शन व चक्काजाम

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी खैरागढ़ द्वारा ब्लाक खैरागढ़ के ग्राम ढिमरीकुंआ में "मनरेगा बचाओ संग्राम" एवं किसान हितैषी मांगों को लेकर विशाल धरना प्रदर्शन व सांकेतिक चक्काजाम किया गया।। जिसमें विधायक यशोदा वर्मा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य निलांबर वर्मा,जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कोमल दास साहू, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष संदीप सिरमौर,शहर कांग्रेस अध्यक्ष अरूण भरतव्दाज, जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष आरती महोबिया, शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुभा चंद्राकर, ब्लाक महिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमकल्याणी तोड़े, नेता प्रतिपक्ष नगर पालिका दीपक देवांगन,पूरन सारथी, रविन्द्र सिंह गहरवार,भरत चंद्राकर कोमल वर्मा,सरजू वर्मा, कन्हैया रजक सम्मिलित हुए।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने धरना प्रदर्शन स्थल पर दी श्रद्धांजलि

कार्यक्रम की शुरुआत में विधायक यशोदा वर्मा एवं कांग्रेस पदाधिकारियों ने धरना प्रदर्शन स्थल पर ही महात्मा गांधी के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। मनरेगा योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने और योजना को कमजोर करने की कोशिशों के विरोध में कांग्रेस ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' का बिगुल फूंका और सड़क पर उतर कर सांकेतिक चक्काजाम किया।

धान खरीदी की समय सीमा में वृद्धि

विधायक यशोदा वर्मा ने कहा 'मनरेगा बचाओ संग्राम' केवल एक नाम की लड़ाई नहीं, बल्कि करोड़ो मजदूरों के सम्मान की लड़ाई है। साथ ही, हम सरकार से मांग करते हैं, कि अन्नदाताओं की परेशानी को समझते हुए धान खरीदी की समय सीमा तुरंत बढ़ाई जाए। क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को देखते हुए धान खरीदी की अंतिम तिथि बढ़ाने की मांग की गई, ताकि हर किसान का धान समर्थन मूल्य पर खरीदा जा सके।

मां शीतला माता मंदिर में असामाजिक तत्वों ने दोपहिया वाहन जलाए, इलाके में दहशत

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

बसंतपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बसंतपुर स्थित मां शीतला माता मंदिर परिसर में बीती रात असामाजिक तत्वों ने खड़ी मोटरसाइकिलों और स्कूटी को आग के हवाले कर दिया। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय, दहशत और आक्रोश का माहौल व्याप्त हो गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंदिर परिसर के आसपास रहने वाले स्थानीय लोग सुरक्षा की दृष्टि से अपने दोपहिया वाहन अक्सर मंदिर परिसर में खड़े किया करते थे। इसी स्थिति का फायदा उठाते हुए अज्ञात असामाजिक तत्वों ने रात के अंधेरे का फायदा उठाकर वाहनों में आग लगा दी। स्थानीय निवासियों ने देखा कि आग ने देखते ही देखते कई वाहनों को अपने चपेट में ले लिया। घटना में कई वाहन पूरी तरह जलकर क्षतिग्रस्त हो गए।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस तरह की निडर और योजनाबद्ध आगजनी कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। क्षेत्रवासियों में चिंता गहरी है कि कौन से असामाजिक तत्व खुलेआम

इस तरह की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हो पा रही है। लोगों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है और आरोपियों की पहचान कर उन्हें कानून के कठोर दायरे में लाने की अपील की है। सूचना मिलते ही बसंतपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना स्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और आरोपियों की पहचान हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। थाना पुलिस ने कहा कि घटना की जांच गंभीरता से की जा रही है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

स्थानीय लोगों ने बताया कि मंदिर परिसर में यह घटना पहले कभी नहीं हुई थी। इस घटना ने मंदिर परिसर की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़ा किया है। नागरिकों की मांग है कि परिसर में सुरक्षा बलों की निगरानी बढ़ाई जाए और आगे से ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएँ। बसंतपुर थाना पुलिस ने क्षेत्रवासियों से अपील की है कि घटना के बारे में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि नागरिकों की सहायता से ही अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी संभव हो सकती है। पुलिस ने आश्वासन दिया कि मंदिर परिसर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी।

दुर्ग संभाग की आयुक्त अध्यक्षता में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर राजनैतिक दलों की हुई बैठक

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

भारत निर्वाचन आयोग, नई दिल्ली के निर्देशानुसार निर्वाचक नामावलियों के विशेष गहन पुनरीक्षण के संबंध में आयुक्त, दुर्ग संभाग, दुर्ग एवं रोल ऑब्जर्वर, दुर्ग संभाग सत्यनारायण राठौर की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में भारतीय जनता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस, बहुजन समाज पार्टी एवं आम आदमी पार्टी के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। साथ ही बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इंद्रजीत सिंह चंद्रवाल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सुरेंद्र ठाकुर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रेम कुमार पटेल, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं

समस्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारीगण की उपस्थिति रही। बैठक में उपस्थित राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को जिला खैरागढ़-छुईखदान-गण्डई अंतर्गत आने वाले विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र क्रमांक 73-खैरागढ़ एवं 74-डोंगरगढ़ (आंशिक) के मतदान केन्द्रों तथा उनके अंतर्गत पंजीकृत मतदाताओं की विस्तृत जानकारी दी गई। इसके साथ ही विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत दावा-आपत्ति के तहत प्राप्त आवेदनों की स्थिति से अवगत कराया गया।

नो-मैपिंग प्रकरणों के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 73-खैरागढ़ में कुल 1655 मतदाताओं के नाम चिन्हांकित किए गए हैं, जिनमें से 1477 प्रकरण डीईओ आईडी में दर्ज किए जा चुके हैं। इसके अतिरिक्त 27 मतदाताओं के दस्तावेज अन्य राज्य से एवं 10 मतदाताओं के दस्तावेज अन्य जिले से संबंधित पाए गए हैं। इस प्रकार कुल 37 मतदाताओं के दस्तावेज संबंधित जिला/राज्य को सत्यापन हेतु प्रेषित किए गए हैं। वर्तमान में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 73-खैरागढ़ के अंतर्गत लॉजिकल एरर से संबंधित 73,429 मतदाता चिन्हित हैं, जिन्हें नोटिस जारी करने की कार्यवाही प्रचलित है। नोटिस तामिली उपरांत आवश्यक दस्तावेज प्राप्त कर उनका सत्यापन किया जाएगा। यह संपूर्ण प्रक्रिया मतदाता सूची के अंतिम प्रकाशन से पूर्व पूर्ण की जाएगी, तथा दिनांक 21 फरवरी 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किया जाएगा।

बैठक में आयुक्त सत्यनारायण राठौर द्वारा विशेष रूप से यह निर्देशित किया गया कि मतदाता सूची पूर्णतः शुद्ध एवं त्रुटिरहित हो, यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम जुड़वाने से वंचित न रहे तथा कोई भी अपात्र व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में सम्मिलित न हो।।

अंतिम दिन धान उपार्जन केन्द्रों में रही रौनक

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शासन द्वारा खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 अंतर्गत धान खरीदी महाभियान के अंतिम दिन धान उपार्जन केन्द्रों में रौनक रही। धान खरीदी के उत्सव में किसानों में खुशी का माहौल रहा। धान खरीदी महाभियान के तहत शासन द्वारा समर्थन मूल्य एवं कृषक उन्नति योजना के तहत किसानों से 3100 रूपए प्रति क्विंटल की दर और प्रति एकड़ 21 क्विंटल तक के मान से धान खरीदी की गई। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशन में धान खरीदी सुचारू संचालन के लिए अच्छी व्यवस्था की गई।

धान खरीदी कार्य के लिए इलेक्ट्रानिक तौल मशीन, पेयजल, छांव, बायोमैट्रिक डिवाईस मशीन, श्रमिक एवं अन्य व्यवस्था की गई। आर्द्रता मापी यंत्र से किसानों के धान का परीक्षण किया जा रहा है।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देश पर जिले के सभी 96 धान खरीदी केन्द्रों में धान खरीदी की दर एवं सूची व

फ्लैक्स लगाए गए। कलेक्टर ने निर्देश पर धान खरीदी केन्द्रों की सतत निगरानी रखने तथा कोचियों एवं बिचौलियों से अवैध धान की खरीदी पर सख्त कार्रवाई की गई तथा कोचियों एवं बिचौलियों पर शिकंजा कसा गया। धान बिक्री के लिए किसान टोकन तुंहर हाथ मोबाईल एप के माध्यम से टोकन प्राप्त करने से सुविधा मिली और किसानों के समय की बचत हुई। किसानों को 72 घण्टे के में धान बिक्री की राशि उनके बैंक खाते में अंतरित की गई। उल्लेखनीय है कि जिले में 124041 पंजीकृत किसानों से 1483 करोड़ 51 लाख 25 हजार रूपए मूल्य का 6249033.20 क्विंटल धान की खरीदी की गई है। धान का उठाव भी लगातार जारी है। अब तक धान उपार्जन केन्द्रों से 1836551.40 क्विंटल धान का उठाव किया गया है।

आंदोलन संचालन बाधित होने पर समूहों पर होगी कार्रवाई

मिड-डे मील हड़ताल पर प्रशासन ने अपनाया अपना कड़ा रुख

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में मध्यान्ह भोजन योजना (मिड-डे मील) को लेकर चल रही रसोईयों की अनिश्चितकालीन हड़ताल के चलते प्रशासन ने कड़ा रुख अपनाया है। स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय की ओर से जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यदि रसोईयों की अनुपस्थिति के कारण भोजन निर्माण में बाधा आती है, तो वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करना संचालनकर्ता समूहों की जिम्मेदारी होगी। जारी आदेश के अनुसार, रसोईयों के हड़ताल पर रहने की स्थिति में यदि मध्यान्ह भोजन योजना का संचालन प्रभावित होता है, तो इसके लिए केवल रसोईयों को ही नहीं बल्कि संचालनकर्ता समूहों को भी समान रूप से जिम्मेदार माना जाएगा।

ऐसे मामलों में संबंधित संचालनकर्ता समूह के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। आदेश में संचालनकर्ता समूह को हटाने, कुर्की कास्ट (खर्च मद) में कटौती तथा मानदेय में कटौती जैसे दंडात्मक प्रावधानों का स्पष्ट उल्लेख किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग मंत्रालय द्वारा यह आदेश प्रदेश के सभी जिला कलेक्टरों को भेजा गया है, ताकि जिले स्तर पर इसकी सख्ती से निगरानी और पालन सुनिश्चित किया जा सके। प्रशासन का कहना है कि मध्यान्ह भोजन योजना बच्चों के पोषण और उपस्थिति से सीधे जुड़ी हुई है, इसलिए इसके संचालन में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वहीं इस आदेश को लेकर रसोइया संघ ने तीखी प्रतिक्रिया दी है। संघ ने प्रशासन के इस कदम को तानाशाही करार देते हुए कहा है कि यह आदेश हड़ताल को जबरन समाप्त कराने की साजिश है। संघ का आरोप है कि दबाव बनाकर उनके लोकतांत्रिक आंदोलन को कुचलने का प्रयास किया जा रहा है। रसोइया संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि एक ओर शिक्षा मंत्री उनकी मांगों को जायज बता रहे हैं, वहीं दूसरी ओर विभागीय अधिकारी कठोर और दमनात्मक आदेश जारी कर रहे हैं, जो पूरी तरह विरोधाभासी है।

संघ ने यह भी कहा कि रसोईया पहले से ही बेहद कम मानदेय में काम कर रही हैं और वर्षों से वेतन वृद्धि, नियमितीकरण तथा सामाजिक सुरक्षा जैसी मांगों को लेकर संघर्ष कर रही हैं। इसके बावजूद उनकी समस्याओं का समाधान करने के बजाय उन्हें डराने-धमकाने की नीति अपनाई जा रही है। गौरतलब है कि प्रदेश में पिछले 30 दिनों से अधिक समय से लगभग 86 हजार रसोईया अनिश्चितकालीन हड़ताल पर हैं। इसका सीधा असर सरकारी स्कूलों में संचालित मध्यान्ह भोजन योजना पर पड़ रहा है। कई जिलों में बच्चों को भोजन नहीं मिल पा रहा है, जिससे योजना के पूरी तरह ठप होने की स्थिति बनती जा रही है। स्थिति को देखते हुए अब यह मामला प्रशासन और रसोइया संघ के बीच टकराव का रूप लेता जा रहा है। एक ओर सरकार बच्चों के हित में योजना को सुचारू रखने की बात कर रही है, वहीं दूसरी ओर रसोईया अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने पर अड़ी हुई हैं। आने वाले दिनों में इस विवाद के समाधान को लेकर सरकार क्या कदम उठाती है, इस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

सखी वन स्टॉप सेंटर डोंगरगढ़ में विभिन्न पदों पर दावा आपत्ति 10 फरवरी तक आमंत्रित

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित सखी वन स्टॉप सेंटर डोंगरगढ़ में केन्द्र प्रशासन के 1 पद, साईको-सोशल काउंसलर के 1 पद, केसवर्कर के 2 पद, पैरा लीगल कार्मिक के 1 पद, पैरा मेडिकल कार्मिक के 1 पद, कार्यालय सहायक के 1 पद, बहुद्देशीय कमर्चारी व रसोईया के 3 पद, सुरक्षा गार्ड व नाईट गार्ड के 3 पद पर भर्ती के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों का चयन समिति द्वारा स्कूटनी के बाद पात्र-अपात्र सूची का प्रकाशन किया गया है। जारी पात्र-अपात्र सूची के संबंध में आवेदक 10 फरवरी 2026 शाम 5.30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कलेक्टोरेट परिसर

जिला राजनांदगांव में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट, कोरियर के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जाएगा। पात्र-अपात्र सूची का अवलोकन एवं अन्य जानकारी राजनांदगांव जिले की वेबसाईट एवं कार्यालय के सूचना पटल पर की जा सकता है।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आईईडी ब्लास्ट में घायल जवानों से अस्पताल में की मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

चिकित्सकों से उपचार की जानकारी लेकर परिजनों से की चर्चाचिकित्सकों से उपचार की जानकारी लेकर परिजनों से की चर्चाचिकित्सकों से उपचार की जानकारी लेकर परिजनों से की चर्चा

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा शनिवार शाम रायपुर के एक निजी अस्पताल पहुँचे, जहाँ उन्होंने बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत करेंगुट्टा पहाड़ी में हुए आईईडी ब्लास्ट में घायल पुलिस जवानों से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों से घायलों के उपचार की स्थिति की जानकारी ली तथा जवानों के परिजनों से भी चर्चा की।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने घायल जवानों से घटना की जानकारी ली और उनका मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि शासन एवं प्रशासन हर परिस्थिति में उनके साथ खड़ा है। उन्होंने अस्पताल में उपस्थित अधिकारियों एवं चिकित्सकों को निर्देश दिए कि जवानों के बेहतर एवं समुचित

उपचार हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि नक्सल विरोधी अभियान में तैनात हमारे जवान अत्यंत साहस और समर्पण के साथ देश-प्रदेश की सुरक्षा में लगे हैं, और उनका त्याग अतुलनीय है।

ज्ञात हो कि बीजापुर जिले के उसूर थाना क्षेत्र अंतर्गत करेंगुट्टा पहाड़ी में 25 जनवरी को एक के बाद एक कुल छह आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्स्प्लोसिव डिवाइस) विस्फोट हुए थे। इन विस्फोटों की चपेट में आने से डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड

(डीआरजी) के 12 जवान घायल हो गए थे। यह घटना उस समय हुई, जब सुरक्षाबलों की संयुक्त टीम तेलंगाना सीमा से लगे करेंगुट्टा हिल्स क्षेत्र में नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। घटना के बाद सभी घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर रायपुर लाया गया, जहाँ उनका उपचार एक निजी अस्पताल में किया जा रहा है। इनमें से 6 जवानों को उपचार उपरांत स्वस्थ होने पर डिस्चार्ज कर दिया गया है, जबकि शेष जवानों की स्थिति में भी लगातार सुधार हो रहा है।

खास खबर

चीनी मांझा पूर्णतः प्रतिबंधित—जनहित में अपील

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन, आवास एवं पर्यावरण विभाग, मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर द्वारा 25 फरवरी 2017 को अधिसूचना प्रकाशित की गई थी, जिसमें नायलोन, सिंथेटिक अथवा कोई अन्य ऐसे धागे जो पतले, छोटे-छोटे शीशे, धातु या कोई अन्य धारदार सामग्री से युक्त हो, जिसमें ऐसे धागे जिसे सामान्यतः चीनी मांझा या चीनी धागा के रूप में जाना जाता है, भी सम्मिलित है, के छत्तीसगढ़ राज्य में विकय, उत्पादन, भण्डारण, आपूर्ति एवं उपयोग को पूर्णतः प्रतिबंधित किया गया है।

चाईनीज मांझे के कारण लोगों में घटित दुर्घटना की जानकारी लगातार प्रकाश में आ रही है। जिसमें गंभीर दुर्घटना से लेकर मृत्यु तक के दिल दहलाने वाले समाचार प्राप्त हुए है। अतः छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल सभी से अपील करता है कि पतंग उड़ाने में चाईनीज मांझों का उपयोग न करें एवं अपने आसपास भी इस संबंध में जागरूकता पैदा कर अपनों के साथ साथ दूसरों के जीवन को सुरक्षित करें।

दुर्ग पुलिस को मिली बड़ी सफलता, अवैध गांजा बिक्री करते आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग। दुर्ग में ऑपरेशन विश्वास अभियान के अंतर्गत सिटी पुलिस द्वारा मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए सफलता प्राप्त की गई है। 29 जनवरी को सिटी कोतवाली दुर्ग एवं अउठव पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शिवपारा चंडी मंदिर के पीछे क्षेत्र में एक व्यक्ति अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा की बिक्री कर रहा है। सूचना की तस्दीक उपरांत तत्काल पुलिस टीम गठित कर मौके पर घेराबंदी की गई।

घेराबंदी के दौरान एक व्यक्ति को गांजा बिक्री करते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। पूछताछ पर आरोपी ने अपना नाम सुमित ठाकुर बताया। आरोपी के कब्जे से विधिवत तलाशी के दौरान 01 कि.700 ग्राम गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत ?85,000/- है, जप्त किया गया। उक्त संबंध में थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में अपराध क्रमांक 56/2026, धारा 20(ख) नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया एवं न्यायिक रिमाण्ड पर जेल भेजा गया है। दुर्ग पुलिस का सख्त संदेश दुर्ग पुलिस मादक पदार्थों के अवैध व्यापार के विरुद्ध शून्य सहनशीलता की नीति पर कार्य कर रही है। ऐसे अपराधों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नारकोटिक्स एक्ट के तहत कठोर एवं वैधानिक कार्यवाही निरंतर जारी रहेगी। गिरफ्तार आरोपी में सुमित ठाकुर उम्र 26 वर्ष निवासी शिवपारा चंडी मंदिर के पीछे है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को मौन धारण कर दी गई श्रद्धांजलि

राजनांदगांव। शहीद दिवस पर कलेक्टर जितेन्द्र यादव एवं कलेक्टोरेट के अधिकारी तथा कमचारियों ने देश के स्वतंत्रता संग्राम में अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखकर स्वतंत्रता संग्राम के अमर शहीदों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय, नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल सहित कलेक्टोरेट के अन्य अधिकारी तथा कमचारी उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण केन्द्र के संविदा पद के लिए आवेदन आमंत्रित

राजनांदगांव। भारत सरकार की एकीकृत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम अंतर्गत महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षण एवं सशक्तिकरण के लिए मिशन शक्ति योजना की शुरूआत की गई है। योजना के तहत जिले में राज्य स्तरीय महिला सशक्तिकरण केन्द्र संचालन हेतु एक संविदा पद के लिए आवेदन आमंत्रित किया गया है। इच्छुक एवं पात्र आवेदक 3 फरवरी शाम 5.30 बजे तक कार्यालय जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग कलेक्टोरेट परिसर जिला राजनांदगांव पिन कोड 491441 में पंजीकृत डाक, स्पीड पोस्ट, कोरियर के माध्यम से दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। इस संबंध में विस्तृत जानकारी राजनांदगांव जिले की वेबसाईट एवं कार्यालय के सूचना पटल से प्राप्त की जा सकती है।

शराब की काली कमाई के मोह में भाजपा सरकार ने गांधी जी की पुण्यतिथि पर शराब बेचा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गांधी शहादत दिवस पर शराब की दुकानों का खुलना दुर्भाग्यपूर्ण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-अण्डा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बलिदान दिवस के अवसर पर 30 जनवरी 2026 को ब्लॉक स्तर पर शांतिपूर्ण धरना-प्रदर्शन एवं सांकेतिक चक्का जाम कार्यक्रम का आयोजन ग्राम अंडा के अटल चौक में किया गया। यह कार्यक्रम किसानों से जुड़ी समस्याओं एवं धान खरीदी की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष राकेश ठाकुर ने कहा कि सरकार किसानों की समस्याओं की अनदेखी कर रही है। धान खरीदी की निर्धारित तिथि बढ़ाकर किसानों को राहत देना आवश्यक है, अन्यथा आंदोलन को और तेज किया जाएगा। वक्ताओं ने किसानों के हित में ठोस निर्णय लेने की मांग करते हुए कहा कि जब तक किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होगा, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उपस्थित जनसमूह ने शांतिपूर्ण तरीके से धरना-प्रदर्शन कर अपनी मांगों को रखा। कार्यक्रम शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। इस धरना प्रदर्शन में अंडा पुलिस का विशेष सहयोग रहा।

कार्यकर्ताओं ने मनरेगा का नाम बदलने और योजना में किए गए बदलावों का विरोध करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की.

मनरेगा के नाम और स्वरूप में बदलाव पर आपत्ति

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण कर दिया है और योजना के स्वरूप में भी कई बदलाव किए गए हैं. कांग्रेस का कहना है कि इन बदलावों से ग्रामीण मजदूरों के अधिकार कमजोर होंगे और गरीबों को मिलने वाला रोजगार प्रभावित होगा. इसी के विरोध में यह धरना-प्रदर्शन और चक्काजाम किया गया.

ग्रामीण जनता से धोखे का आरोप

धरना-प्रदर्शन के दौरान ब्लॉक अध्यक्ष दुर्ग ग्रामीण देवेंद्र देशमुख ने केंद्र सरकार पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने कहा कि जिस तरह महात्मा गांधी जी के नाम से जुड़ी योजना का नाम बदला गया है, वह ग्रामीण जनता के साथ धोखे जैसा है. उनका कहना था कि नाम बदलकर सरकार लोगों को भ्रमित कर रही है, जबकि असल मुद्दा मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी दिलाने का है.

केंद्र से अधिक हिस्सेदारी की मांग

कांग्रेस ने मांग की कि मनरेगा का नाम बदला न जाए और केंद्र सरकार इस योजना में 90 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी निभाए. उनका कहना है कि इससे मजदूरों को समय पर भुगतान मिलेगा और ग्रामीण इलाकों में रोजगार के अवसर बने रहेंगे. कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि मनरेगा में किए गए बदलाव वापस नहीं लिए गए, तो आंदोलन और तेज किया जाएगा।

धरना-प्रदर्शन में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र देशमुख, ब्लॉक अध्यक्ष रिसाली दिनेश पटेल, प्रदेश महामंत्री अजीत यादव, जितेंद्र साहू, नंदकुमार सेन, पूर्वा सभापति टिकेश्वरी देशमुख, दिनेश पटेल, रविंद्र यादव, पुकेश चंद्राकर, सरपंच दिग्विजय सिंहा, जनपद उपाध्यक्ष, राकेश हिरवानी, अनूप दे, डिकेंद्र हिरवानी,धर्मेंद्र बंजारे, डा. पिलेश्वर साहू, जामवंत गजपाल, रूपेश देशमुख, अशोक सिन्हा,बैकुंठ

गांधी जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है-अरुण वोरा

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर इस साल पहली बार शराब की दुकानों को खुला रखने का निर्णय लिया गया। इसको लेकर राजनीतिक माहौल गरमाया हुआ है। कांग्रेस नेताओं ने इसे महात्मा गांधी के आदर्शों के खिलाफ बताया और भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने इसे महात्मा गांधी के आदर्शों और उनके बलिदान का अपमान बताया है तथा मौजूदा भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। इस मुद्दे पर प्रतिक्रिया देते हुए दुर्ग शहर के पूर्व विधायक एवं प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अरुण वोरा ने कहा कि गांधी जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा हैं, और उनके शहादत दिवस पर संवेदनशीलता दिखाना हर सरकार का नैतिक दायित्व होता है।

अरुण वोरा ने कहा— महात्मा गांधी का जीवन सत्य, संयम और अहिंसा का प्रतीक था। उनके शहादत दिवस पर ड्राय डे न घोषित करना केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि गांधी के विचारों के प्रति सरकार की असंवेदनशील सोच को दर्शाता है। इससे गांधी जी के विचारों का अपमान होता है .भाजपा सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उसे न तो इतिहास की समझ है और न ही राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति सम्मान। कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार करे और भविष्य में ऐसे राष्ट्रीय महत्व के दिनों पर गरिमा और परंपरा का पालन सुनिश्चित करे।

कांग्रेस ने किया विरोध और आबकारी कार्यालय का घेराव -- अय्यूब

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी सचिव अय्यूब खान ने बताया कि दुर्ग शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष धीरज बाकोलीवाल और कार्यकर्ताओं द्वारा जिला आबकारी विभाग का घेराव किया गया घेराव प्रदर्शन में शामिल होकर प्रदेश सचिव अय्यूब खान ने बताया कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर इस साल पहली बार शराब की दुकानों को खुला रखने का निर्णय साय सरकार ने लिया है। जो बहुत निराशाजनक है। भाजपा देश भर में राज्य महात्मा गांधी जी की फोटू लगाकर शराब बंदी की बात करती है वही दूसरी तरफ गांधी जी की पुण्यतिथि पर शराब दुकानें खोली जो देश के इतिहास में कभी नहीं हुआ है इसका विरोध हम करते है।

कांग्रेस नेताओं ने इसे महात्मा गांधी के आदर्शों के खिलाफ बताया और भाजपा सरकार पर सवाल उठाए। कांग्रेस नेताओं ने इसे महात्मा गांधी के आदर्शों और उनके बलिदान का अपमान बताया है तथा मौजूदा भाजपा सरकार की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। गांधी जी केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि भारत की आत्मा हैं, और उनके शहादत दिवस पर संवेदनशीलता दिखाना हर सरकार का नैतिक दायित्व होता है महात्मा गांधी का जीवन सत्य, संयम और अहिंसा का प्रतीक था। उनके शहादत दिवस पर ड्राय डे न घोषित करना केवल एक प्रशासनिक चूक नहीं, बल्कि गांधी के विचारों के प्रति सरकार की असंवेदनशील सोच को दर्शाता है। इससे गांधी जी के विचारों का अपमान होता है। भाजपा सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि उसे न तो इतिहास की समझ है और न ही राष्ट्रीय मूल्यों के प्रति सम्मान। कांग्रेस नेताओं ने मांग की है कि सरकार इस निर्णय पर पुनर्विचार करे और भविष्य में ऐसे राष्ट्रीय महत्व के दिनों पर गरिमा और परंपरा का पालन सुनिश्चित करे। घेराव प्रदर्शन में प्रमुख रूप शहर कांग्रेस अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, प्रदेश कांग्रेस छत्तीसगढ़ सचिव अय्यूब खान, नेता प्रतिपक्ष संजय कोहले, ब्लॉक अध्यक्ष गण मनीष बघेल, अलताफ अहमद, गुरदीप भाटिया, आनंद ताम्रकार, श्रीमति देवेश्री साहू, पार्षद दीपक साहू, अश्वनी निषाद, ज्ञानदास बंजारे, भास्कर कुंडले, अब्दुल गनी, बृजलाल पटेल, मंडल अध्यक्ष राजा विक्रम बघेल, राकेश साहू, विमल यादव, नंद किशोर शर्मा, नंदा रावत, सुधीर चंदेल, विजयंत पटेल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

भुगतान व्यवस्था पर उठाए सवाल

जिला अध्यक्ष किसान कांग्रेस पुकेश चन्द्रकार ने कहा कि मनरेगा में 60 प्रतिशत राशि केंद्र सरकार और 40 प्रतिशत राशि राज्य सरकार को देना होता है। वर्तमान हालात में राज्य सरकार के पास पर्याप्त संसाधन नहीं होने से भुगतान में दिक्कत आएगा। ऐसे में मजदूरों को उनकी मजदूरी के लिए भटकना पड़ेगा, जिससे वे काम करने से हतोत्साहित होंगे और योजना धीरे-धीरे बंद होने की कगार पर पहुंच सकती है।

महानंद रविंद्र सिन्हा, जनपद सदस्य दामिनी साहू, मनीष चंद्राकर नंदकुमार साहू,कैलाश सिंहा, रोहित साहू, देवराज चतुर्वेदी,मुन्ना महाराज,भोलु दाऊजी, गोवर्धन बारले दिलीप साहू जितेन्द्र साहू, अर्जुन वर्मा, भूपेंद्र वर्मा प्रवीण चंद्राकर तीथराज चंद्राकर भुवनेश्वरी डा. चेलक, दिपांशु यादव, तुषार हरमुख सहित कांग्रेस संगठन के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, किसान एवं मजदूर बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ बना गया है अवैध शराब का गढ़ - सुशील आनंद शुक्ला

रायपुर। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राज्य की शराब दुकानों को खोले जाने पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति व्यक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि शराब की काली कमाई के मोह में भाजपा सरकार ने गांधी जी के पुण्यतिथि पर शराब बिकवाया। गांधी जी जयंती, पुण्यतिथि और कुछ विशेष धार्मिक, सामाजिक अवसरों पर शराब बिक्री पूर्णतः बंद रखने की परंपरा रही है। यह गांधी जी के मद्य निषेध के आंदोलन से प्रेरित कदम था। भाजपा सरकार ने गांधी जी की पुण्यतिथि पर शराब बिक्री करवा कर गांधी जी का अपमान किया है। गांधी जी और उनके सिद्धांतों का विरोध करते-करते भाजपा अब शराब की समर्थक बन गयी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि शराब बंदी को लेकर पांच सालों तक हल्ला मचाने वाले भाजपाई बताएं शराबबंदी कब होगी? भाजपा के हर छोटे बड़े नेता ने जनता के बीच घूम-घूम कर शराबबंदी के लिये बढ़ चढ़कर बातें किया था। सरकार में आने के बाद सरकार और भाजपाईयों दोनों के जुबान पर ताला लग गया है। अब सरकार सिर्फ शराब से अधिक से अधिक कमाई करने में लगी है। शराबबंदी की बात तो भाजपाई भूल ही गये है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि साय सरकार के द्वारा लगातार शराबखोरी को संरक्षण देने वाले निर्णयों से प्रमाणित है कि भाजपा का शराबबंदी के लिए प्रदर्शन केवल राजनैतिक पाखंड था। साय सरकार का शराब प्रेम मनपसंद ऐप और 67 नई शराब दुकान खोलने के निर्णय से स्पष्ट है। भाजपा नेताओं का फोकस केवल कमीशनखोरी और भ्रष्टाचार में है और इसके लिए प्रदेश की नशे में डुबोने का षड्यंत्र रचा है।

बैठक स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र प्रारंभ कर समय-सीमा में करें पूर्ण - कलेक्टर

निर्माण कार्य में लापरवाही व कार्य प्रारंभ नहीं करने वाले ठेकेदारों को नोटिस करें जारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्माण एजेंसियों की बैठक लेकर जिले में चल रहे निर्माण कार्यों की गहन समीक्षा की। कलेक्टर श्री यादव ने निर्माण विभागों द्वारा कराए जा रहे निर्माणाधीन कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने पूर्व वर्षों में स्वीकृत निर्माण कार्य समय-सीमा में पूर्ण नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण स्तर के कार्य नागरिकों की जरूरत और आवश्यकता के आधार पर स्वीकृत किए जाते है। ऐसे कार्यों में ज्यादा समय नहीं लगना चाहिए।

उन्होंने ग्रामीण स्तर के निर्माण कार्य स्वीकृत होने के बाद अविलंब कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की स्वीकृति के बाद उसे शीघ्र प्रारंभ कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तायुक्त कार्य

पूर्ण होना चाहिए। जिससे जनसामान्य को समय पर निर्माण कार्य का लाभ मिल सके। उन्होंने ठेकेदार संजय सिंघी के निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति एवं समय पर कार्य पूर्ण न होने पर नाराजगी जाहिर की।

निर्माण कार्यों की निविदा मिलने के बाद ठेकेदारों द्वारा लापरवाही एवं कार्य प्रारंभ नहीं करने पर संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को नियमित विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। जिससे निर्माणाधीन कार्यों में तेजी आएगी और गुणवत्ता बनी रहेगी। उन्होंने छोटे एवं पुराने विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए, जिससे जनसामान्य को इसका लाभ जल्दी मिल सके।

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने सांसद एवं विधायक निधि के अंतर्गत स्वीकृत निर्माण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सांसद एवं विधायक निधि से स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के साथ निर्धारित समयावधि में गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की लगातार मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य स्वीकृति के बाद उसे शीघ्र शुरू कराना चाहिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त अतुल विश्वकर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती शीतल बंसल, कार्यपालन अधिकारी लोक निर्माण विभाग एसके चौरसिया सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

कोहका-साकेत नगर में अवैध प्लॉटिंग का खेल उजागर

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

भिलाई नगर निगम के वार्ड क्रमांक 13 कोहका-साकेत नगर में अवैध प्लॉटिंग का मामला अब सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गया है। नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा ने इसे कोई संयोग नहीं बल्कि शहर की सत्ता के संरक्षण में चल रहे संगठित खेल के रूप में पेश किया है। उनका कहना है कि इस खेल में नगर निगम प्रशासन, महापौर और संबंधित अधिकारियों की भूमिका पर गंभीर सवाल उठते हैं।

सिन्हा ने महापौर के मौन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यह या तो महापौर को पूरे मामले की जानकारी होने का संकेत है, या फिर वे जानबूझकर आंखें मूंदे हुए हैं। उन्होंने कहा कि अपने ही दल के पार्षदों की आपत्तियों और चेतावनियों को नजरअंदाज कर अवैध गतिविधियों को संरक्षण देना दोहरे राजनीतिक चरित्र का प्रतीक है। नेता प्रतिपक्ष ने राजस्व विभाग, भवन अनुज्ञा शाखा और जोन अधिकारियों

भ्रष्टाचार

नेता प्रतिपक्ष भोजराज सिन्हा का हमला—सत्ता संरक्षण में फल-फूल रहा अवैध कारोबार

की भूमिका को भी संदेह के घेरे में बताया।

उनका कहना है कि कानून को ताक पर रखकर अवैध प्लॉटिंग को वैध बनाने का प्रयास लोकहित और नगर के भविष्य से खिलवाड़ है। भोजराज सिन्हा ने चेतावनी दी कि जनता अब जवाब मांग रही है— महापौर कब कार्रवाई करेंगे, दोषियों पर कब कानूनी कदम उठाया जाएगा। उनके अनुसार यदि अब भी प्रशासन चुप रहा और किसी प्रकार की जांच या कार्रवाई नहीं हुई, तो यह नगर निगम की छवि और नागरिक विश्वास दोनों पर बड़ा आघात होगा। नगर निगम क्षेत्रवासियों का कहना है कि कोहका-साकेत नगर में पिछले कुछ समय से अवैध प्लॉटिंग के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद कारवाई नहीं हो रही। ऐसे में अब यह मामला नागरिकों और प्रशासन के बीच प्रत्यक्ष टकराव का रूप ले रहा है।

बीते दो दिन पहले इस अवैध प्लॉटिंग से परेशान होकर वार्ड-13 की पार्षद अधिकारियों की अनदेखी से परेशान होकर पार्षद अंजू सिन्हा को मजबूरन निगम मुख्यालय में धरने पर बैठना पड़ा। दोपहर से देर शाम तक वे आयुक्त कार्यालय के बाहर डटी रहीं, लेकिन अफसरों की ओर से कोई ठोस आश्वासन नहीं मिला। धरने के बाद ही वरिष्ठ अधिकारियों की नींद टूटी और औपचारिक कारवाई की प्रक्रिया शुरू हुई।

पीआरजीआई सं.-CTHIN/25/A3746 यह हिंदी सांध्य दैनिक समाचार पत्र नई दृष्टिबिंद स्वामी एवं प्रकाशक आलोक तिवारी द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 से मुद्रित करवा कर। 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से प्रकाशित संपादक आलोक तिवारी मो. 7415469100 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारण न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।